www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती
RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 आखिर कब तक 'हिन्दू' झेलते रहेंगे...
3 मान सरकार नशों के खिलाफ जंग में उतरी, कैबिनेट...
4 कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने का प्रयास है नवीन...

वर्ष: 9 | अंक: 190 | दिल्ली, सोमवार, 5 मई 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

अवैध तरीके से रह रहीं छह बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया गया

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली पुलिस ने कथित तौर पर बिना वैध दस्तावेजों के राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न इलाकों में रह रहीं छह बांग्लादेशी महिलाओं को हिरासत में लिया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (पूर्व) अभिषेक धानिया के अनुसार, मंडावली पुलिस थाने को मिली सूचना के बाद यह कार्रवाई शुरू की गई। एक टीम ने सबसे पहले अवैध प्रवासी होने के संदेह में एक महिला को पकड़ा। पुलिस उपायुक्त ने कहा, पूछताछ करने पर उसने पहाड़गंज इलाके में छिपे पांच अन्य बांग्लादेशी नागरिकों के ठिकाने का खुलासा किया। सूचना के आधार पर टीम ने बाकी महिलाओं को हिरासत में लिया। छह महिलाओं की पहचान मीम अख्तर (23), मीना बेगम (35), शेख मुन्नी (36), पायल शेख (25), सोनिया अख्तर (36) और तानिया खान (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि इनमें से किसी भी महिला के पास देश में रहने के लिए आवश्यक कोई वैध वीजा, पासपोर्ट या परमिट नहीं था। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) को महिलाओं को उनके देश वापस भेजने के लिए प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। महिलाओं को फिलहाल हिरासत में रखा गया है। यह कार्रवाई शहर में रह रहे अवैध प्रवासियों का पता लगाने और उन्हें वापस भेजने के लिए जारी अभियान के हिस्से के रूप में की गई है।

लखनऊ की एक बेकरी में आग लगने से दो लोगों की मौत

लखनऊ (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के गंगानगर अमौसी में स्थित एक बेकरी में शनिवार को आग लगने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस की ओर से जारी बयान के अनुसार आग लगने की सूचना लगभग अपराह्न 4:30 बजे मिली। स्थानीय पुलिस की टीम ने दमकल की गाड़ियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) अमित कुमावत ने बताया, फैक्ट्री मालिक अखिलेश के बेटे ऋतिक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को बताया कि फैक्ट्री में बेकरी का काम होता था, लेकिन यह करीब एक साल से बंद थी। हालांकि, आग लगने के समय वेल्डिंग का काम चल रहा था। स्थानीय पुलिस थाने की टीम और दमकल विभाग की 15 से 16 गाड़ियों के प्रयासों से शाम करीब सात बजे आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया, अंदर फंसे दो लोगों को निकाला गया और उन्हें इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान फैक्ट्री मालिक अखिलेश कुमार (45) और अबरार (45) के रूप में हुई है। अधिकारी ने बताया, फैक्ट्री मालिक के बेटे ऋतिक से मिली जानकारी के आधार पर पता चलता है कि बंद फैक्ट्री के अंदर वेल्डिंग का काम चल रहा था, जिसके दौरान चिंगारी निकली, जिससे आग लग गई। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस इस घटना की विस्तृत जांच कर रही है।

पंजाब पुलिस ने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा की शानदार विरासत को कायम रखा

एसबी संवाददाता/चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जासूसी में शामिल गद्दारों को गिरफ्तार करके प्रभावी पुलिसिंग का एक और मानदंड स्थापित करने के लिए पंजाब पुलिस की सराहना की। एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंजाब पुलिस की बड़ी उपलब्धि है, जिसने देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता को खतरे में डालने के इरादे से की गई इस देश विरोधी गतिविधि को नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने इस साजिश को नाकाम कर-के सराहनीय काम किया है, जो हमारे लिए गर्व और संतोष की बात है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि सीमावर्ती राज्य होने के नाते पंजाब पुलिस देश की सीमाओं की रक्षा के लिए सतर्क है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है और हम इसे पूरे जोश के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब हमेशा देश की रक्षक भुजा रहा है और राज्य इस शानदार परंपरा को बरकरार रखेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि बहादुर और सतर्क पंजाब पुलिस देश की सुरक्षा को भंग करने के इरादे से किए गए ऐसे सभी प्रयासों को नाकाम करके अपनी समृद्ध विरासत को कायम रख रही है।

नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान भारत रत्न सी. सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम में देश में विकसित जीनोम संपादित चावल की दो किस्मों की घोषणा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित करते हुए। (स्त्रोत: पीआईबी)

मोदी ने सातवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया

भारत इस समय वर्ष 2036 में अपने देश में ओलंपिक खेलों के आयोजन के लिए कर रहा प्रयासः प्रधानमंत्री मोदी

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सातवें खेलो इंडिया यूथ गेम्स के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। कार्यक्रम में उपस्थित एथलीटों, प्रशिक्षकों और स्टाफ सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि देश भर के खिलाड़ी असाधारण प्रतिभा और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए एकत्र हुए थे। उन्होंने राष्ट्र की खेल भावना में उनके योगदान को स्वीकार करते हुए उनके समर्पण और कड़ी मेहनत पर प्रकाश डाला। प्रधानमंत्री ने एथलीटों के उल्लेखनीय कौशल और प्रतिबद्धता पर बल देते हुए पुष्टि की कि खेल के लिए उनका जुनून और उत्कृष्टता की निरंतर खोज राष्ट्र को गौरवान्वित करती है। श्री मोदी ने एथलीटों को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

श्री मोदी ने पटना, राजगीर, गया, भागलपुर और बेगूसराय सहित खेलो इंडिया यूथ गेम्स के दौरान बिहार के कई शहरों में आयोजित होने वाली व्यापक प्रतियोगिताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आने वाले दिनों में छह हजार से अधिक युवा एथलीट अपने सपनों और आकांक्षाओं के साथ इस खेलों में भाग लेंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए इस बात पर बल देते हुए कहा कि भारत में खेल अब एक विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान के रूप में विकसित हो रहे हैं। श्री मोदी ने देश के युवाओं के लिए एक प्रमुख मंच प्रदान करने में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा, "भारत की खेल संस्कृति बढ़ने के साथ ही वैश्विक मंच पर देश की सॉफ्ट पावर भी बढ़ेगी।

प्रधानमंत्री ने एथलीटों के लिए निरंतर सुधार के महत्व को रेखांकित करते हुए, अधिक मैच खेलने और अपने कौशल को निखारने के लिए अधिक प्रतियोगिताओं में भाग लेने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री मोदी ने दोहराया कि उनकी सरकार ने अपनी नीतियों में सदैव इस पहलू को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया के अंतर्गत विभिन्न खेल आयोजन-विश्वविद्यालय खेल, युवा खेल, शीतकालीन खेल और पैरा खेल - पूरे वर्ष देश भर में कई स्तरों पर आयोजित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि ये लगातार प्रतियोगिताएं, एथलीटों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और उनकी प्रतिभा को निखारने का काम करती हैं। प्रधानमंत्री ने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए बिहार के वैभव सूर्यवंशी को इतनी कम उम्र में आईपीएल क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि वैभव की कड़ी मेहनत महत्वपूर्ण थी, लेकिन कई प्रतियोगिताओं के प्रदर्शन ने भी उनकी प्रतिभा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि एक एथलीट जितना अधिक खेलता है, उतना ही वह फलता-फूलता है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स युवा एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर के खेलों की बारीकियों को समझने और मूल्यवान अनुभव प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हैं।

इस बात पर जोर देते हुए कि भारत में ओलंपिक की मेजबानी करना प्रत्येक नागरिक का लंबे समय से संजोया गया सपना रहा है, श्री मोदी ने वर्ष 2036 में ओलंपिक खेलों का आयोजन देश में करने के भारत के प्रयासों को रेखांकित किया और अंतर्राष्ट्रीय खेलों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

भारत वैश्विक मानक स्थापित कर रहा, पाक संकट में घिराः हिमंत विश्व शर्मा

(एजेन्सी)।

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने विभिन्न आर्थिक मापदंडों पर भारत-पाकिस्तान की तुलना करते हुए कहा कि भारत वैश्विक मानक स्थापित करके आगे बढ़ रहा है, लेकिन पाकिस्तान लगातार संकटों से जूझ रहा है। शर्मा ने शनिवार रात सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि भारत वर्तमान में दुनिया के सबसे गतिशील और दूरदर्शी देशों में से एक है। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान बार-बार संकटों से जूझ रहा है और उसका प्रभाव भी दुनिया में खत्म होता रहा है जबकि भारत विकास, प्रौद्योगिकी और आत्मनिर्भरता में वैश्विक मानक स्थापित करते हुए आगे बढ़ रहा है।' शर्मा ने कहा कि भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वर्तमान में 4.19 हजार अरब अमेरिकी डॉलर है जिससे भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है जबकि पाकिस्तान की जीडीपी केवल 357 अरब अमेरिकी डॉलर है जो महाराष्ट्र जैसे एक राज्य के योगदान से भी कम है। मुख्यमंत्री ने कहा, 'रेलवे से लेकर रॉकेट प्रक्षेपण तक भारत भविष्य के लिए निर्माण कर रहा है। रिकॉर्ड 688.13 अरब अमेरिकी डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार के साथ, भारत सबसे मजबूत वित्तीय स्थिति में है।' उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान की बात करें तो विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 15.66 अरब अमेरिकी डॉलर है।

700 फुट गहरी खाई में गिरा सेना का वाहन, 3 जवानों की मौत

जम्मू-कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में बैटरी चश्मा के पास सुबह करीब साढ़े 11 बजे सेना का एक ट्रक सड़क से फिसलकर 700 फीट गहरी खाई में गिर गया। इस हादसे में सेना के तीन जवानों की मौत हो गई। राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर हुई इस घटना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि जम्मू से श्रीनगर जा रहे काफिले में शामिल सेना का ट्रक नियंत्रण खो बैठा और खाई में गिर गया। पीटीआई के अनुसार, मृतकों की पहचान सिपाही अमित कुमार, सुजीत कुमार और मन बहादुर के रूप में हुई है। उनके शव खाई से निकाले जा रहे हैं। सेना, पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय स्वयंसेवकों की मदद से तत्काल संयुक्त बचाव अभियान चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारण वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है।

चुनाव आयोग जल्द ही 40 ऐप्स की जगह एक ऐप करेगा जारीः सिबिन सी

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। एक बड़ी पहल करते हुए भारतीय चुनाव आयोग मतदाताओं और इसके अन्य हितधारकों जैसे कि चुनाव अधिकारियों, राजनीतिक दलों और आम नागरिकों के लिए एक नया डिजिटल ऐप विकसित कर रहा है। नया वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म ईसीआईनेट चुनाव आयोग के 40 से अधिक मौजूदा मोबाइल और वेब एप्लिकेशन की जगह लेगा।

पंजाब के मुख्य चुनाव अधिकारी, सिबिन सी ने बताया कि ईसीआईनेट में चुनावों से संबंधित सभी गतिविधियों के लिए एक सिंगल प्लेटफॉर्म प्रदान किया जाएगा। यह एक सहज उपयोगकर्ता इंटरफेस और एक सरल उपयोगकर्ता अनुभव प्रदान करेगा। यह कदम ऐप उपयोग करने वालों के लिए आसानी प्रदान करेगा क्योंकि उपयोगकताओं को कई ऐप्स को डाउनलोड करने और नेविगेट करने की झंझट से मुक्ति मिलेगी। इसके साथ ही विभिन्न लॉगिन याद रखने के बोझ को कम करने के लिए भी ईसीआईनेट तैयार किया गया है।

इस प्लेटफॉर्म की कल्पना भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मार्च 2025 में चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी की उपस्थिति में हुई मुख्य चुनाव अधिकारियों के सम्मेलन के दौरान की थी। ईसीआईनेट ऐप उपयोगकर्ताओं को उनके डेस्कटॉप या स्मार्टफोन के माध्यम से संबंधित चुनाव डेटा तक पहुंचने में सक्षम बनाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि डेटा जितना संभव हो सके सटीक है, ईसीआईनेट पर डेटा केवल अधिकृत चुनाव आयोग के अधिकारियों द्वारा ही दर्ज किया जाएगा। संबंधित अधिकारी द्वारा एंट्री यह सुनिश्चित करेगी कि हितधारकों को उपलब्ध कराया गया डेटा जितना संभव हो सके सटीक हो। हालाँकि, किसी भी टकराव की स्थिति में, कानूनी फॉर्म में सही ढंग से भरा गया प्राथमिक डेटा ही प्रमुख रहेगा।

ईसीआईनेट वोटर हेल्पलाइन ऐप, वोटर टर्नआउट ऐप, सीविजिल, सुविधा 2.0, सक्षम और केवाईसी ऐप जैसे मौजूदा ऐप्स की जगह ले लेगा। यह ऐप 5.5 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किए गए हैं। ईसीआईनेट से लगभग 100 करोड़ मतदाताओं और देश भर में 10.5 लाख से अधिक बूथ लेवल अधिकारियों, राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किए गए लगभग 15 लाख बूथ लेवल एजेंटों, लगभग 45 लाख पोलिंग अधिकारियों, 15,597 सहायक चुनाव पंजीकरण अधिकारियों, 4,123 ईआरओ और 767 जिला चुनाव अधिकारियों सहित पूरे चुनाव तंत्र को लाभ होने की उम्मीद है।

ईसीआईनेट पहले ही विकास के एक उन्नत चरण पर पहुँच गया है और सुचारू कार्यप्रणाली, उपयोग में आसानी और मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों को सुनिश्चित करने के लिए सख्त परीक्षण किए जा रहे हैं। इसे सभी राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 36 सीईओ, 767 डीईओ और उनके राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 4,123 ईआरओ को शामिल करते हुए एक विस्तृत सलाहकार अभ्यास के बाद और चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी किए गए चुनाव ढांचे, निदेशों और हैंडबुक के 9,000 पृष्ठों वाले 76 प्रकाशनों की समीक्षा करने के बाद विकसित किया जा रहा है।

ईसीआईनेट के माध्यम से प्रदान किया गया डेटा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, 1951, चुनाव नियमों का पंजीकरण, 1960 चुनाव नियमों का संचालन, 1961 और चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों द्वारा स्थापित कानूनी ढांचे के भीतर सख्ती से संरेखित होगा।

भजनलाल शर्मा ने शिव महापुराण कथा का किया श्रवण

एसबी संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विद्याधर नगर स्टेडियम में आयोजित हो रही शिव महापुराण कथा का रविवार को श्रवण किया। उन्होंने कथावाचक पंडित श्री प्रदीप मिश्रा का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने शिव भगवान की आरती कर प्रदेश की खुशहाली एवं आमजन की सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।

श्री शर्मा ने शिव महापुराण कथा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित श्रोतागण को संबोधित करते हुए कहा कि जयपुर की पवित्र भूमि पर भगवान शिव की महिमामयी कथा का आयोजन हो रहा है, जो कि हम सभी के लिए परम सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि भगवान शिवकैलाशपति, भोलनाथ एवं विश्वनाथ के रूप में पूजे जाते हैं। ऋषि, मुनि, संत और महंत भगवान शिव के गुणों का कथा वाचन कर समाज को मार्ग दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव की कृपा से ही जीवन में शांति, समृद्धि और सकारात्मकता का संचार होता है। शिव महापुराण केवल एक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सार्थक बनाने का एक दैवीय दर्शन है। उन्होंने कहा कि आज हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जहां सनातन धर्म का पुनर्जागरण हो रहा है। उज्जैन में महाकाल लोक का भव्य निर्माण और वाराणसी में भगवान विश्वनाथ के कॉरिडोर का विकास इसका जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि केदारनाथ, सोमनाथ व बद्रीनाथ का बदला हुआ स्वरूप भी सभी देख रहे हैं। इन सब से हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत भी विश्व पटल पर गौरव प्राप्त कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में आयोजित हुए महाकुंभ में विश्वभर के लोगों का आकर पवित्र स्नान करना हमारी सनातन संस्कृति की विराटता को दशार्ता है।

श्री शर्मा ने कहा कि इस कथा के जरिए बहने वाली भक्ति की रसधारा को सुनने के लिए बड़ी संख्या में उपस्थित मातृशक्ति को देखकर उन्हें बड़ी प्रसन्नता हुई है। उन्होंने कहा कि राजस्थान शक्ति और भक्ति की धरती है। माता पन्नाधाय, भक्ति की मूर्ति मीराबाई और मां अमृता देवी जैसी महान मातृशक्ति से आज तक हम सभी प्रेरणा ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित श्री प्रदीप मिश्रा जिस सरलता और गहनता से शिव महापुराण कथा को जन-जन तक पहुंचाते हैं, वह अद्भुत है। उनकी वाणी में वह शक्ति झलकती है, जो हर श्रोता के हृदय को स्पर्श करती है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में इस तरह के आयोजन होने चाहिए, जिससे हमारी विरासत, संस्कृति और सनातन को मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, विधायक श्री बालमुकुन्दाचार्य सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे।

इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए बनाई जा रही है जंगल सफारीः राव नरबीर सिंह

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा है कि बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरण सरंक्षण एक वैश्विक चिंता का विषय बनता जा रहा है। पर्यावरण संतुलन को बनाये रखने के लिए हमें प्रकृति व वन्य जीव सरंक्षण के प्रति संवेदनशील होना होगा। निजी क्षेत्र के साथ-साथ कई नए युवा स्टार्टअप भी प्रकृति व वन्यजीव सरंक्षण में गरी रूचि दिखा रहे हैं, जो कि सरकारी प्रयासों के साथ-साथ एक सराहनीय पहल है।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में वन्य जीवों को बचाने का देशवासियों का आह्वान किया था। इसी कड़ी में हरियाणा वन विभाग अरावली क्षेत्र में जंगल सफारी व ग्रीन वाल प्रोजेक्ट वन जीवों को बचाने के लिए कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि जंगल सफारी परियोजना पहले पर्यटन विभाग द्वारा तैयार की जानी थी परंतु अब मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इसकी जिम्मेदारी वन एवं वन्य जीव विभाग को सौंपी है। विभाग तेजी से कार्य कर रहा है।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी 7 व 8 जून को जामनगर (गुजरात) के वनतारा परियोजना का दौरा करेंगे। उनके साथ वे स्वयं भी जाएंगे। उन्होंने कहा कि अरावली ग्रीन वॉल परियोजना के तहत हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और दिल्ली सहित चार राज्यों में 1.15 मिलियन हेक्टेयर से अधिक भूमि का सुधार बहु-राज्य सहयोग का एक अनुकरणीय मॉडल प्रदर्शित करना है। वनों की स्वदेशी प्रजातियों के साथ वनरोपण, जैव विविधता संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य में सुधार और भूजल पुनर्भरण को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना भी है।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से अरावली क्षेत्र में न केवल लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे बल्कि जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल संसाधन प्रबंधन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में युवा पीढ़ी को प्रकृति को इस नेक कार्य के प्रति जागरूक करने तथा उनके आजिविका के साधन बढ़ाने के लिए राज्य में वन मित्रों की नियुक्ति की गई है, जो स्थानीय लोगों को वनों से जोड़ रहे है।

स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का सफल परीक्षण

(एजेन्सी)।

मध्य प्रदेश। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मध्य प्रदेश के श्योपुर परीक्षण स्थल से अपने स्ट्रेटोस्फेरिक एयरशिप प्लेटफॉर्म का पहला उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया।

परीक्षण करीब 62 मिनट तक चला। इस दौरान इंस्ट्रूमेंटल पेलोड ले जाने वाले एयरशिप ने करीब 17 किलोमीटर की ऊंचाई को छुआ। डीआरडीओ ने एक्स पर लिखा, 'डीआरडीओ ने इंस्ट्रूमेंटल पेलोड के साथ स्ट्रैटोस्फेरिक एयरशिप का पहला उड़ान परीक्षण लगभग 17 किलोमीटर की ऊंचाई पर सफलतापूर्वक किया।

हवा से हल्का यह सिस्टम भारत की पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी और टोही क्षमताओं को बढ़ाएगा, जिससे देश दुनिया के उन कुछ देशों में से एक बन जाएगा, जिनके पास ऐसी स्वदेशी क्षमताएं हैं।'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई देते हुए कहा कि यह सिस्टम पृथ्वी अवलोकन और खुफिया, निगरानी और टोही (आईएसआर) में भारत की क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा, जिससे भारत ऐसी स्वदेशी तकनीक वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो जाएगा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ समीर वी कामत ने भी सिस्टम के डिजाइन, विकास और परीक्षण के पीछे की टीम की सराहना की। उन्होंने प्रोटोटाइप उड़ान को हवा से हल्के, उच्च ऊंचाई वाले प्लेटफार्मों के विकास में एक मील का पत्थर बताया जो स्ट्रैटोस्फेरिक ऊंचाइयों पर लंबे समय तक टिके रहने में सक्षम हैं।

सम्पादकीय

आतंकवाद पर अमेरिका का ढुलमुल रवैया

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले 26 से अधिक पर्यटक मारे गए। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकियों ने यह हमला ऐसे समय में किया जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स अपनी भारतीय मूल की पत्नी उषा और बच्चों के साथ भारत की यात्रा पर थे। इस हमले के पीछे पाकिस्तान का निहितार्थ इस यात्रा में विघ्न डाल कर कश्मीर के मुद्दे पर विश्व का ध्यान आकर्षित करना था। पाकिस्तान इस तरह के कुत्सित प्रयास पूर्व में भी कर चुका है। बेरोजगारी, भारी भरकम कर्जा और घरेलू आतंकवाद से त्रस्त पाकिस्तान ने इन समस्याओं से ध्यान हटाने के लिए वेंस की यात्रा के दौरान हमला करवाने के समय का चुनाव किया। अमेरिका सहित विश्व के तकरीबन सभी देशों ने इस हमले की तीखी निंदा की। सवाल यही है कि क्या अमेरिका सिर्फ निंदा तक ही सीमित रहेगा। पूर्व में भी इसी तरह के पाक प्रायोजित हमले के दंश भारत झेलता रहा है। जब कभी भी ऐसे हमले हुए हैं, अमेरिका ने सिर्फ घडियाली आंसू ही बहाएं हैं। सही मायने में तो अमेरिका चाहता ही नहीं है कि पाकिस्तान पर ऐसी आतंकी वारदातों को रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई करे। यही वजह है कि अन्य देशों की तरह अमेरिका भी सिर्फ सहानुभूति जता कर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेता है। अमेरिका बेशक इन हमलों के लिए सीधा जिम्मेदार नहीं हो, किन्तु पाकिस्तान के साथ उसके सैन्य रिश्ते कहीं न कहीं आतंकवाद को प्रोत्साहित करते नजर आते हैं। यह पहला मौका नहीं है जब किसी अमेरिकी विशिष्ट व्यक्ति के भारत दौरे के दौरान आतंकी वारदात हुई है। 20 मार्च, 2000 की रात को पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने जम्मू कश्मीर के अनंतनाग जिले के चिट्टीसिंहपोरा गांव में 36 सिख ग्रामीणों का नरसंहार किया था। यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की 21-25 मार्च की यात्रा से ठीक पहले हुई थी। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने क्लिंटन के सामने हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ होने का मुद्दा उठाया था। उस समय क्लिंटन जयपुर और आगरा के दौरे पर थे, जबकि विदेश मंत्री मैडलिन अलब्राइट और उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टैलबोट भारतीय अधिकारियों से बातचीत करने के लिए दिल्ली में ही थे। वर्ष 2002 में जब दक्षिण एशियाई मामलों को लेकर अमेरिकी असिस्टेंट सेक्रेटरी क्रिस्टीना बी रोका भारत की यात्रा पर थीं, तब 14 मई, 2002 को जम्मू-कश्मीर के कालूचक के पास एक आतंकवादी हमला हुआ। तीन आतंकवादियों ने मनाली से जम्मू जा रही हिमाचल रोडवेज की बस पर हमला किया और सात लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद आतंकी आर्मी क्वार्टर्स में घुस गए और अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 10 बच्चों, आठ महिलाओं और पांच सैन्यकर्मियों सहित 23 लोग मारे गए। मारे गए बच्चों की उम्र चार से 10 साल के बीच थी और इस हमले में कुल 34 लोग घायल हुए थे। इन आतंकी हमलों से जाहिर है कि पाकपरस्त आतंकियों ने हमला करने के लिए ऐसे वक्त का चुनाव किया जबकि कोई न कोई प्रमुख अमेरिकी भारत यात्रा पर आया हो। आश्चर्य की बात यह है कि इन हमलों के बावजूद अमेरिका ने कभी पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कार्रवाई नहीं की। कहने को अमेरिका भारत को महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताता है, किन्तु हकीकत में उसका उद्देश्य सिर्फ व्यवसायिक हित साधना भर रहा है। अमेरिका के व्यवसायिक हित सर्वोपरि हैं। भारत के भारी विरोध के बावजूद अमेरिका ने पाकिस्तान को घातक एफ16 लड़ाकू विमानों की बिक्री की। इतना ही नहीं इनकी मरम्मत के नाम पर लाखों डालर की मदद भी अमेरिका करता रहा है। अमेरिका ने भारत के विरोध को नजरांदाज करते हुए यह सैन्य मदद दी। अमेरिका न सिर्फ भारत से दुश्मनी साधे हुए पाकिस्तान की हरसंभव मदद करता रहा है, बल्कि विदेशी धरती से भारत के खिलाफ साजिश करने वाले लोग और देशों का सहयोग भी करता रहा है। कनाडा में आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में अमेरिका ने कनाडा की पैरवी की। कनाडा फाइव आई का सदस्य है। फाइव आईज में कनाडा का अहम सहयोगी अमेरिका ने पिछले साल निज्जर हत्याकांड में भारतीय एजेंट्स की कथित संलिप्तता के कनाडा के आरोपों पर टिप्पणी की थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था कि हमने साफ कर दिया है कि कनाडा के आरोप बेहद ही गंभीर हैं जिन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हम चाहते थे कि भारत कनाडा की जांच में सहयोग करे लेकिन भारत सहयोग नहीं कर रहा। इसके बजाए भारत ने एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। इतना ही नहीं अमरीकी से भारत को आतंकी कार्रवाई की धमकी देने वाले खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू एयर इंडिया की फ्लाइट को उड़ाने की धमकी दी। इस पर भी अमेरिका ने जानबूझ कर नकेल नहीं कसी। हाल ही में अमेरिका की ओर से जारी किए गए बयानों में भी यह साफ किया जा चुका है कि वह पाकिस्तान को भारत या अफगानिस्तान के नजरिए से नहीं देखता है। अमेरिका की ओर से कहा गया कि वह भारत, चीन, ईरान, अफगानिस्तान से सीमा साझा करने वाले परमाणु सशक्त पाकिस्तान को एक महत्वपूर्ण देश समझता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि अमेरिका पाकिस्तान के साथ कई मुद्दों पर साथ मिलकर काम कर रहा है। इन मुद्दों में ऊर्जा, कारोबार, निवेश, स्वास्थ्य, क्लीन एनर्जी, क्लाइमेट संकट से बचाव, अफगानिस्तान में स्थिरता और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई शामिल है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगे कहा कि पाकिस्तान में विदेशी निवेश का सबसे बड़ा योगदान अमेरिका का है।

जयंती

होशियार सिंह

जन्मः 5 मई, 1937; मृत्युः 6 दिसम्बर, 1998) परमवीर चक्र से सम्मानित भारतीय व्यक्ति हैं। इन्हें यह सम्मान सन 1971 में मिला। वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान युद्ध में भारत के दो बहादुर सिपाहियों को परमवीर चक्र का हकदार बनाया। एक तो पूना हॉर्स के सेकेण्ड लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल जिन्होंने अपने प्राण गँवा कर सबसे कम उम्र के परमवीर चक्र विजेता का सम्मान प्राप्त किया, दूसरे मेजर होशियार सिंह जिन्होंने 3 ग्रेनेडियर्स की अगुवाई करते हुए अपना अद्भुत पराक्रम दिखाया और दुश्मन को पराजय का मुँह देखना पड़ा। उन्होंने जम्मू कश्मीर की दूसरी ओर, शकरगढ़ के पसारी क्षेत्र में जरवाल का मोर्चा फतह किया था।

पुण्यतिथि

गोरख प्रसाद

जन्म-28 मार्च, 1896, गोरखपुर; मृत्यु-5 मई, 1961, वाराणसी) गणितज्ञ, 'हिंदी विश्वकोश' के संपादक तथा हिंदी में वैज्ञानिक साहित्य के लब्धप्रतिष्ठ और बहुप्रतिभ लेखक थे। ज्योतिष और खगोल के वे प्रकांड विद्वान थे। आप 'हिंदी साहित्य सम्मेलन' के परीक्षामंत्री भी कई वर्ष तक रहे। गोरख प्रसाद काशी (वर्तमान बनारस) में 'हिंदी सहित्य सम्मेलन' के 28वें अधिवेशन में विज्ञान परिषद के अध्यक्ष थे। 'बनारस मैथमैटिकल सोसायटी' के भी आप अध्यक्ष रहे थे। हिंदी साहित्य सम्मेलन द्वारा 1931 ई. में 'फोटोग्राफी' ग्रंथ पर इनको 'मंगलाप्रसाद पारितोषिक' मिला था।

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-संजय कुमार द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHI/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

आखिर कब तक 'हिन्दू' झेलते रहेंगे प्रशासनिक भेदभाव? यदि धैर्य टूटा तो...

सुप्रीम कोर्ट को आज वक्फ बोर्ड की चिंता है, लेकिन पिछले 30 वर्षों में वक्फ बोर्ड द्वारा अवैध तरीके से हड़पी गई संपत्तियां, समानांतर न्याय प्रणाली और कर नहीं भरना- क्या ये सब अदालत को दिखाई नहीं दिए? आज यदि वक्फ कानून के सुधार से इस्लाम खतरे में लगता है, तो क्या हिंदुओं की जमीनों पर मस्जिदें और मकबरे बनाना उचित है? वक्फ बोर्ड ने पिछले 10 वर्षों में 20 लाख हिंदू संपत्तियां कब्जा लीं-इस पर सुप्रीम कोर्ट की चुप्पी धर्मयुद्ध नहीं तो और क्या है?

-कमलेश पांडेय

पाकिस्तान प्रायोजित हिन्दू धर्म विरोधी पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत में अधिकांश लोगों के मन में अब यह सवाल कौंध रहा है कि क्या अब असली धर्मयुद्ध यानी अगला महाभारत शुरू होने वाला है, क्योंकि अपने ऊपर अनवरत हमलों, न्यायिक और प्रशासनिक भेदभाव के चलते हिंदुओं का धैर्य अब टूटने के कगार पर खड़ा है! जानकार बताते हैं कि आजादी से पहले और आजादी के बाद की सरकारों ने और उनके अधीनस्थ उच्चतम न्यायालय ने अपनी जिस हिन्दू विरोधी मानसिकता का परिचय दिया है और उनकी कथनी और करनी में जो बहुत अंतर नजर आने लगा है, वह तो धर्मयुद्ध भड़काने जैसा ही प्रतीत होता है! यक्ष प्रश्न है कि आखिर कबतक 'हिन्दू' झेलते रहेंगे न्यायिक और प्रशासनिक भेदभाव? और यदि धैर्य टूटा तो फिर क्या होगा?

इसलिए जनमानस में चर्चा है कि अब ऐसी पक्षपाती संस्थाओं और उसके मूल स्त्रोत संवैधानिक व्यवस्थाओं/कानूनों के खिलाफ लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों पर बनाया जाए। क्योंकि यदि नेताओं को यह बात समझ में आ गई तो समझो कि इसके खिलाफ बवाल होना तय है। दरअसल, यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, बल्कि भाजपा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे ने सुप्रीम कोर्ट पर आरोप लगाते हुए जो बातें कहीं हैं, उसके विश्लेषण से यह सवाल पैदा हो रहे हैं।

बता दें कि सांसद दुबे ने कहा था कि "इस देश में यदि कोई धर्मयुद्ध भड़काने का जिम्मेदार होगा, तो वह सुप्रीम कोर्ट और उसके न्यायाधीश ही होंगे!" तभी तो उनके इस आरोप से बड़ा विवाद खड़ा हो गया और विपक्ष ने उनकी तीखी आलोचना की। लेकिन प्रसिद्ध वैज्ञानिक, लेखक और वक्ता आनंद रंगनाथन ने एक वीडियो बयान जारी कर सांसद दुबे का पूर्ण समर्थन किया है और रंगनाथन ने अपनी धाराप्रवाह अंग्रेजी में सुप्रीम कोर्ट से जो 9 सवाल पूछे हैं, वे बहुत महत्वपूर्ण हैं। कोर्ट को अविलंब इस पर अपना पक्ष देने की पहल करनी चाहिए, अन्यथा जनमानस में फैली भ्रांति उसके अस्तित्व पर भी सवाल उठा सकतीं हैं।

दरअसल, आनंद रंगनाथन पूछते हैं कि, पहला, जब मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा हटाने वाला अनुच्छेद 370 समाप्त किया, तो सुप्रीम कोर्ट ने विपक्ष की याचिकाओं पर तुरंत विशेष पीठ बनाकर जल्द सुनवाई की। लेकिन 1990 में कश्मीरी हिंदुओं पर हुए अत्याचारों- जैसे जबरन पलायन, घरों पर कब्जा, मंदिरों का विध्वंस, हत्याएं, बलात्कार, नौकरी से निकालना- पर दायर याचिकाओं को यह कहकर खारिज कर दिया कि "अब बहुत समय हो गया है, हम यह मामला नहीं खोल सकते।" इस पर उन्होंने सवाल उठाया है कि क्या यह दोहरा मापदंड नहीं है? क्या इससे हिंदू समाज में आक्रोश पैदा नहीं होगा? क्या यह धर्मयुद्ध भड़काना नहीं है?

दूसरा, सुप्रीम कोर्ट को आज वक्फ बोर्ड की चिंता है, लेकिन पिछले 30 वर्षों में वक्फ बोर्ड द्वारा अवैध तरीके से हड़पी गई संपत्तियां, समानांतर न्याय प्रणाली और कर नहीं भरना- क्या ये सब अदालत को दिखाई नहीं दिए? आज यदि वक्फ कानून के सुधार से इस्लाम खतरे में लगता है, तो क्या हिंदुओं की जमीनों पर मस्जिदें और मकबरे बनाना उचित है? वक्फ बोर्ड ने पिछले 10 वर्षों में 20 लाख हिंदू संपत्तियां कब्जा लीं-इस पर सुप्रीम कोर्ट की चुप्पी धर्मयुद्ध नहीं तो और क्या है?

तीसरा, हिंदू मंदिर सरकार के अधीन क्यों हैं, उनकी आय से मदरसों, हज यात्रा, वक्फ बोर्ड, इफ्तार पार्टी, कर्ज आदि पर खर्च क्यों किया जाती है? वहीं, हिंदू धार्मिक कार्यों पर रोक, उनकी याचिकाओं को लटकाना, अल्पसंख्यकों को हमेशा प्राथमिकता देना- क्या यह न्याय है? या हिंदू समाज के मन में आक्रोश उत्पन्न करने का एक तरीका है?

चौथा, शिक्षा के अधिकार के तहत, हिंदू संस्थाओं को 25% सीटें अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित करनी होती हैं। जबकि मुस्लिम और ईसाई संस्थाओं पर कोई ऐसा नियम नहीं। इससे हजारों हिंदू स्कूल बंद हो गए और हिंदू बच्चे दूसरे धर्मों की संस्थाओं में पढ़ने लगे। क्या यह भी धर्मांतरण को बढ़ावा नहीं है? क्या सुप्रीम कोर्ट को यह पक्षपात दिखाई नहीं देता?

पांचवां, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर भी दोहरी नीतिः हिंदुओं की बात हेट स्पीच, और दूसरों की बात फ्री स्पीच मानी जाती है। नूपुर शर्मा ने सिर्फ हदीस का उल्लेख किया- उसे कोर्ट ने हेट स्पीच कहा। लेकिन स्टालिन और अन्य नेताओं ने सनातन धर्म को "रोग" बताया- कोर्ट ने उस पर चुप्पी साध ली। क्या यह निष्पक्ष न्याय है?

छठा, सुप्रीम कोर्ट ने हिंदू परंपराओं जैसे दशहरे के बली प्रथा पर रोक लगा दी, लेकिन हलाल, ईद के दौरान सामूहिक पशुहत्या- उस पर कोई सवाल नहीं। जन्माष्टमी पर हांडी की ऊँचाई पर रोक, लेकिन मोहर्रम की हिंसा पर कोई कार्रवाई नहीं। दिवाली के पटाखे पर्यावरण के लिए बुरे, लेकिन क्रिसमस के पटाखे नहीं। क्या यह भेदभाव नहीं?

सातवां,. प्लेसेस ऑफ वर्शिप एक्ट 1991 को 2019 में कठोर बना दिया गया, ताकि 15 अगस्त 1947 से पहले के धार्मिक स्थलों की स्थिति में कोई बदलाव न किया जा सके। इससे हिंदुओं की प्राचीन मंदिरों को पुनः प्राप्त करने की राह बंद हो गई। राम मंदिर के लिए वर्षों संघर्ष करना पड़ा, बाकी स्थल अब भी विधर्मियों के कब्जे में हैं। क्या यह ऐतिहासिक अन्याय नहीं?

आठवां, शबरीमाला मामले में भी कोर्ट ने हिंदू भावनाओं को चोट पहुँचाई। कुछ मंदिरों में पुरुषों की, कुछ में महिलाओं की प्रवेश परंपराएं हैं- लेकिन कोर्ट ने केवल हिंदुओं को निशाना बनाया। जबकि इस्लाम में महिलाओं को मस्जिद, कुरान आदि से रोका जाता है, ईसाई धर्म में महिला पादरी नहीं बन सकती- तो उनपर कोई सवाल क्यों नहीं? नौंवा, शाहीनबाग आंदोलन और सीएए विरोध में जो दंगे हुए, उस पर भी सुप्रीम कोर्ट की भूमिका एकतरफा थी। सार्वजनिक रास्ता रोकने वाले प्रदर्शन पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई। क्या यह कानून का मजाक नहीं? और क्या यह भी हिंदू समाज में आक्रोश नहीं बढ़ाता? इसलिए सवाल उठता है कि आखिर इस देश के मूल निवासियों से, इस देश के वासियों से भेदभाव क्यों करते हैं, भारत के न्यायाधीश? और इतना सबकुछ होने के बाद भी हमारा नागरिक प्रशासन चुप क्यों है? क्या पक्ष और विपक्ष के नेताओं में इतनी भी अक्ल नहीं है कि वो इन बातों को समझ सकें और संसद में इसे उठा सकें। ऐसे न्यायाधीशों के खिलाफ संसद में महाभियोग ला सकें। इससे पहले इन सभी बातों पर संसदीय बहस होनी चाहिए, ताकि किसकी क्या राय है, भारतीय उसे समझ सकें। उनके नेता उन्हें समझा सकें।

अलबत्ता, श्री रंगनाथन के सवालों से तो यही प्रतीत होता है कि सिर्फ सरकारें ही नहीं बल्कि हमारे न्यायिक प्रतिष्ठान भी अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के परिचायक दिखाई दे चुके हैं। इसलिए सुप्रीम कोर्ट को स्वतः संज्ञान लेते हुए एक न्यायिक बैंच गठित करनी चाहिए और सभी आरोपों पर एक एक करके निर्णय स्पष्ट करना चाहिए। अन्यथा यदि हिन्दू जनमानस उद्वेलित हो गया तो उसकी न्यायिक स्वत्रंतता और संवैधानिक सर्वोच्चता की मूल भावना पर भी आंच आ सकती है!

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

कांटे को कांटे से ही निकालना बेहतर है

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है

-अशोक मधुप

पुराना सिद्धांत है कि कांटा-कांटे से निकलता है तलवार या मिसाइल से नहीं। करना भी वही चाहिए। सिद्धांत के विपरीत जाने में ज्यादा नुकसान की ज्यादा संभावना रहती है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद आज देश गुस्से में है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान को तहस-नहस कर दे। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। सरकार भी ही चाहती है। इसके लिए उसने सेना को फ्रीहैंड दे दिया। ऐसे में देश की जनता को चाहिए कि सरकार और सेना को सोचने, समझने और तैयारी करने का अवसर दे। हमले की तैयारी फुलप्रूफ हो कि दुश्मन को ज्यादा से ज्यादा नुकसान हो। हमले में अपने देश, देश के जवानों और सेना की कम से कम क्षति हो। हमले का बदला भी ले लिया जाए।

इतिहास गवाह है कि पहले भी हम अपना बहुत कम नुकसान कर दुश्मन का बड़ा नुकसान पहुंचा चुके हैं। इसके लिए पाकिस्तान में बने आंतकियों के लांचिंग पैड दो बार तबाह ही नहीं किए, वहां मौजूद आंतकियों का खात्मा भी दो बार पहले हो चुका है। भारतीय सेना के कमांडो ने 28 सितंबर 2016 की रात को गुलाम कश्मीर (पीओके) में दाखिल होकर आतंकी कैंपों में सर्जिकल स्ट्राइक की। यह कार्रवाई गुलाम कश्मीर (पीओके) के चार क्षेत्र भिंबर सेक्टर, तत्तापानी सेक्टर, लिपी सेक्टर व कैल सेक्टर में एक साथ हुई। पांच घंटे चली इस कार्रवाई में इन सेक्टरों में चल रहे छह आतंकी शिविर तबाह करने के साथ करीब 45 आतंकियों को मार गिराया गया। मिशन को अंजाम देकर सभी कमांडों सुरक्षित भारतीय क्षेत्र में लौट आए। अभियान में शामिल कमांडों की हेलमेट पर लगे विशेष कैमरों व ड्रोन की मदद से पूरे ऑपरेशन को कैद भी किया गया। 14 फरवरी 2019 को जम्मू और कश्मीर के पुलवामा में जोरदार विस्फोट हुआ था। निशाने पर था उफ्छ्त्र के 78 वाहनों का काफिला। विस्फोट में 40 जवान शहीद हो गए थे। दो सप्ताह बाद 26 फरवरी 2019 को भारतीय वायुसेना के मिराज-2000 विमानों ने रात के अंधेरे में नियंत्रण रेखा यानी एसओसी पार कर पाकिस्तान के पूर्वोत्तर इलाके खैबर पख्तूनख्वाह के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के ट्रेनिंग कैम्पों पर सर्जिकल स्ट्राइक की थी। भारत के तत्कालीन विदेश सचिव विजय गोखले ने कहा कि इस स्ट्राइक में बड़ी संख्या में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी, उनको प्रशिक्षण देने वाले, संगठन के बड़े कमांडर और फिदायीन हमलों के लिए तैयार हो रहे जिहादियों को खत्म कर दिया गया। अगले दिन पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की कोशिश की। भारत ने दावा किया कि डॉग-फाइट में भारतीय वायुसेना के मिग-21 ने पाकिस्तानी वायुसेना के एफ-16 को मार गिराया। पाकिस्तान ने भी मिग-21 को मार गिराया और विंग कमांडर अभिनंदन को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि, दबाव में दो दिन बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।बदला लेने की तैयारी ऐसी ही हो। अपना कम से कम नुकसान हो और दुशमन का बहुत ज्यादा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान पर पांच तरफ से हमला बोला। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घोषणा कर चुकें है कि इसका बदला लिया जाएगा। दुश्मन को माफ नही किया जाएगा। उसे कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी। भारत सरकार सिंधु जल संधि, अटारी सीमा और वीजा संबंधी सेवाएं बंद करने का फैसला कर चुकी है। पूरे विश्व में पाकिस्तान का चरित्र उजागर करने में भारत का विदेश मंत्रालय लगा है। भारत दुनिया भर के देशों को इस बात के सबूत देने में लगा है कि पाकिस्तान भारत में आतंकवाद फैला रहा है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी कबूल कर चुके हैं कि पाकिस्तान तीन दशक से आतंकवाद बढ़ाने में लगा है। एक इंटरव्यू में आसिफ ने कहा था, ह्लहम लगभग तीन दशकों से संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएस) और ब्रिटेन सहित पश्चिम के लिए आंतकवाद फैलाने का यह गंदा काम कर रहे हैं।

इस सबके बीच अब सरकार ने पाकिस्तान पर सोशल स्ट्राइक कर हमला बोला है। भारत में पाकिस्तान के 16 यूटयूब चैनल बंद किए जा चुकें हैं। आसिफ के एक्स अकाउंट को बैन करने का यह कदम भारत द्वारा 16 पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाने के ठीक एक दिन बाद उठाया गया। बैन किए गए पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों का सब्सक्राइबर बेस 63 मिलियन है।ये चैनल भड़काऊ और सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील सामग्री फैला रहे थे। ब्लॉक किए गए कुछ प्रमुख पाकिस्तानी यूट्यूब चैनलों में डॉन न्यूज, एआरवाई न्यूज, बोल न्यूज, जियो न्यूज, समा टीवी और जीएनएन शामिल हैं।

हाल के पहलगांव में हुए इस दुर्दांत हमले के बाद से भारत की जनता में आक्रोश है। साथ ही साथ पीएम मोदी और देश की तमाम राजनीतिक पार्टियां एक मंच पर आकर पाकिस्तान को सबक सिखाने की बात कह रही है। इस हमले के कुछ ही दिन बात पीएम मोदी ने बिहार की धरती मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पाकिस्तान के आकाओं और आतंकियों को ये खुले शब्दों में चेतावनी देती हुए कहा है, आतंकियों को ऐसी सजा मिलेगी जिसकी कल्पना किसी ने नहीं की होगी। सब बदला चाहते हैं किंतु जोश मे होश खोना ठीक नहीं। हमें ऐसा काम करना चाहिए कि हमारा नुकसान कम से कम हो और दुश्मन का ज्यादा से ज्यादा।

उधर भारत सरकार ने इस घटना का बदला लेने के लिए सेना को फ्री हैंड दे दिया है। प्रधानमंत्री मोदी की सेना को फ्री हैंड देने की घोषणा का मतलब है कि अब भारतीय सेना आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र होगी। अब उसे इसके लिए किसी राजनैतिक से अनुमति की जरूरत नही होगी।

सरकार ने जहां आंतकवाद को प्रश्य देने वाले पाकिस्तान को नुकसान पहुंचाने के लिए सरकार सिंधु जल संधि को स्थागित करने का फैसला लिया है। ऐसे ही और निर्णय भी हो सकतें हैं पाकिस्तान के परमाणु प्रतिष्ठानों पर साइबर अटैक कराए जा सकते हैं। तो पाकिस्तान के विरूद्ध खड़े आतंकवादी समूहों की इसी तरह मदद की जा सकती है जैसे पाकिस्तान भारत के विरूद्ध करता है। सिंध और बलूचिस्तान के आजादी के आंदोलन में लगे सशस्त्र समूहों की मदद करके उन्हें मजबूत किया जा सकता है। अफगानिस्तान की तालिबानी सरकार पाकिस्तान से नाराज है कि उसका भी फायदा उठाया जा सकता है। हालात इस तरह के पैदा किए जा सकते है कि बिना सैनिक कार्रवाई किए पाकिस्तान को अपने घर में उलझा दिया जाए। ऐसे हालात पैदाकर दिए जाएं कि उसके विभिन्न टुकड़े हो जाएं।

इस सब के बीच बड़ी खबर यह है कि आम कश्मीरी इस हमले का विरोध कर रहा है। इस हमले की कश्मीर की मस्जिदों से निंदा की गई। सबने एक सुर में कहा कि पाकिस्तान को इसका जवाब दिया जाना चाहिए। पिछले कुछ साल में कश्मीर में लौटी रौनक से कश्मीर का कारोबार बहुत तेजी के साथ बढ़ा है। करीब 15 लाख टूरिस्ट अब कश्मीर आने लगे हैं। 22 अप्रैल की आंतकवादी घटना ने कश्मीर के इस व्यापार को बड़ा धक्का दिया है। ज्ञातव्य है कि इस हमले में 26 सैलानियों की मौत हुई है।

पहलगाम में आंतकी हमले के बाद देश में गुस्सा है। देश की जनता चाहती है कि हमला कराने वाले पाकिस्तान से भारत बदला ले। पाकिस्तान पर हमलाकर उसे सबक सिखाए। देश की जनता इस समय जोश में है किंतु जोश में हमें होश नहीं खोना है। हमारी कोशिश ये हो कि बिना युद्ध के पाकिस्तान से बदला ले लिया लाए। उसे विभिन्न भाग में तोड़ दिया जाए। हमला करने वाले कही भी जाकर छुप जाए इसे इजरायल के गुप्तचर संगठन मौसाद की तर्ज पर वहीं जाकर मारा जाए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)
(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

पाकिस्तान के राजदूत ने भारत को दी परमाणु हमले की धमकी

(एजेन्सी)।

पिछले महीने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति है। इस बीच, पाकिस्तान के राजदूत ने रूस में भारत को खुलेआम परमाणु हमले की धमकी दी है। मुहम्मद खालिद जमाली ने कहा कि अगर नई दिल्ली पड़ोसी देश पर हमला करता है तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों सहित अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेगा।

आर.टी. के साथ एक साक्षात्कार में राजदूत मुहम्मद खालिद जमाली ने दावा किया कि कुछ लीक हुए दस्तावेजों से पता चला है कि भारत पाकिस्तान के कुछ इलाकों पर हमला करेगा और संघर्ष आसन्न है। उन्होंने कहा, 'भारत के उन्मादी मीडिया और उस तरफ से आने वाले गैरजिम्मेदाराना बयानों ने हमें मजबूर कर दिया है। कुछ अन्य लीक हुए दस्तावेज हैं, जिनके अनुसार पाकिस्तान के कुछ इलाकों पर हमला करने का फैसला किया गया है। इसलिए, इससे हमें लगता है कि ऐसा होने वाला है और यह आसन्न है।' जमाली ने कहा, 'जब भारत और पाकिस्तान की बात आती है, तो हम संख्यात्मक ताकत की इस बहस में शामिल नहीं होना चाहते। हम अपनी पूरी ताकत का इस्तेमाल करेंगे - पारंपरिक और परमाणु दोनों तरह की ताकत।' उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान के लोगों द्वारा समर्थित सशस्त्र बल पूरी ताकत के साथ जवाब देंगे।

इससे पहले, पाकिस्तान के मंत्री हनीफ अब्बासी ने खुले तौर पर भारत को परमाणु जवाबी कार्रवाई की धमकी दी थी। उन्होंने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान के शस्त्रागार, जिसमें घोरी, शाहीन और गजनवी मिसाइलों के साथ-साथ 130 परमाणु हथियार शामिल हैं, को केवल भारत के लिए रखा गया है।

बुधवार को देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में पाकिस्तान के एक अन्य मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया कि उनके देश को 'विश्वसनीय खुफिया जानकारी' मिली है, जो संकेत देती है कि भारत अगले 24 से 36 घंटों के भीतर सैन्य हमला कर सकता है।

इलेक्ट्रिक वाहन उत्पादन के लिए अपनी उत्पादन लाइन को लचीला बना रही है मारुति

(एजेन्सी)।

देश की प्रमुख कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) अपनी उत्पादन क्षमताओं को लचीला बना रही है। इसके पीछे उद्देश्यएक ही विनिर्माण स्थल से इलेक्ट्रिक वाहन सहित अधिक मॉडल का उत्पादन करना है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

देश की सबसे बड़ी कार विनिमार्ता कंपनी मारुति ने 2030-31 तक बाजार में लगभग 28 विभिन्न मॉडल के साथ 20 लाख इकाई की उत्पादन क्षमता और जोड़ने का लक्ष्य रखा है। फिलहाल हरियाणा और गुजरात के अपने विनिर्माण संयंत्रों के साथ कंपनी की कुल उत्पादन क्षमता सालाना 26 लाख इकाई की है।

हरियाणा में गुरुग्राम और मानेसर में दो संयंत्र सालाना लगभग 16 लाख इकाई का उत्पादन करते हैं। खरखौदा में नए संयंत्र ने भी उत्पादन शुरू कर दिया है। शुरूआत में, नई सुविधा की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 लाख इकाई की होगी और यह कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का विनिर्माण करेगी। कंपनी की एक इकाई सुजुकी मोटर गुजरात ने भी गुजरात में एक सुविधा स्थापित की है, जिसकी स्थापित उत्पादन क्षमता प्रति सालाना 7.5 लाख इकाई की है। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (कॉरपोरेट मामले) राहुल भारती ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा, उत्पादन योजना के संदर्भ में, हम अपने संयंत्रों को अधिक लचीला बना रहे हैं, ताकि अधिक लाइन अधिक मॉडल का उत्पादन कर सकें। और हम यह भी ध्यान रख रहे हैं कि स्थापित की गई नई लाइन इलेक्ट्रिक वाहन का भी विनिर्माण कर सकें। मारुति इस साल सितंबर में अपना पहला इलेक्ट्रिक मॉडल ई-विटारा उतारने की की योजना बना रही है और पहले साल में अधिकांश उत्पादन विदेशी बाजारों में जाने की उम्मीद है।

भारती ने कहा कि बैटरी के वजन की वजह से ईवी पारंपरिक मॉडल की तुलना में कहीं अधिक भारी वाहन हैं। उन्होंने कहा, इसलिए, उस हिसाब से उत्पादन लाइन में कुछ अंतर है।

सिंगापुर आम चुनाव में प्रधानमंत्री वोंग की पीएपी की भारी जीत

(एजेन्सी)।

प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को सिंगापुर के आम चुनाव में 97 संसदीय सीटों में से 87 सीटें हासिल कर भारी जीत दर्ज की। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। अमेरिकी व्यापार शुल्कों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में उत्पन्न अनिश्चितताओं के बीच वोंग और पीएपी को आम चुनाव से नया जनादेश मिला है। सिंगापुर की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी पीएपी ने 1965 में स्वतंत्रता के बाद से ही यहां शासन किया है। मार्सिलिंग-यू टी ग्रुप रिप्रेजेंटेशन कांस्टीट्यूएंसी (जीआरसी) के नतीजे घोषित होने के बाद वोंग ने कहा कि यह उनका पहला और विनम्र अनुभव था। उन्होंने मतदाताओं के लिए कड़ी मेहनत करने का संकल्प लिया। वोंग (52) ने कहा, हम आपके मजबूत जनादेश के लिए आभारी हैं तथा ...आप सभी के लिए और भी अधिक मेहनत करके आपके द्वारा हमें दिए गए विश्वास का सम्मान करेंगे। इस चुनाव को प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की पहली अहम परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है, जिन्होंने पिछले वर्ष पदभार ग्रहण किया था। वह पीएपी का नेतृत्व कर रहे हैं, जो स्वतंत्रता के बाद से सिंगापुर पर शासन कर रही है। यहां के निर्वाचन विभाग (ईएलडी) ने बताया कि सिंगापुर के मतदाताओं ने देश की भावी राजनीतिक तस्वीर तय करने के लिए 1,240 मतदान केंद्रों पर 97 संसदीय सीटों में से 92 के लिए मतदान किया। देश में 27,58,846 पंजीकृत मतदाता हैं।

सिंगापुर में 1948 में हुए पहले आम चुनाव के बाद से यह 19वां आम चुनाव था। द्विपीय देश को 1965 में आजादी मिली थी और तब से यह 14वां आम चुनाव था। स्वतंत्रता के बाद से ही पीएपी देश की सत्ता पर काबिज है। वोंग (52) ने पिछले साल मई में नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने यह पद ली सीन लूंग द्वारा लगभग दो दशक के बाद प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद ग्रहण किया। चैनल न्यूज एशिया की खबर के मुताबिक, स्थानीय समयानुसार रात आठ बजे सिंगापुर में मतदान आधिकारिक रूप से बंद हो गया। इसी के साथ देश के 14वें आम चुनाव में 12 घंटे तक चला मतदान संपन्न हो गया।

उल्लू ऐप ने बजरंग दल से मांगी माफी

(एजेन्सी)। शो 'हाउस अरेस्ट' को लेकर चल रहे विवाद के बीच उल्लू ऐप ने बजरंग दल से माफी मांगी है। आपको बता दें, शो को लेकर चल रहे विवाद के सिलसिले में बजरंग दल ने एक्टर एजाज खान, प्रोड्यूसर राजकुमार पांडे और अन्य के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। उल्लू ने लिखित में बजरंग दल से माफी मांगी है। इसके साथ ही उन्होंने इस विवादित शो को ऑफ-एयर कर दिया है और इसके सभी एपिसोड ऐप से हटा दिए हैं। शो में यौन रूप से स्पष्ट सामग्री को लेकर विवाद शुरू हो गया था, जिसकी राजनीतिक नेताओं और सोशल मीडिया पर तीखी आलोचना हुई थी। वायरल हुए वीडियो में एजाज खान महिला प्रतियोगियों पर कैमरे के सामने अंतरंग हरकतें करने का दबाव बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में खान जांच करने वाले और अश्लील व्यक्तिगत सवाल भी पूछ रहे हैं, जिससे कुछ प्रतिभागी असहज दिखाई दे रहे हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग ने उल्लू ऐप के सीईओ विभु अग्रवाल और एजाज खान को तलब किया है। आयोग ने स्वतः संज्ञान लेते हुए यह कदम उठाया है, क्योंकि एक वायरल वीडियो में महिलाओं को कैमरे पर अंतरंग दृश्यों में मजबूर करने का आरोप लगाया गया है। ठउह ने इस कृत्य की निंदा की है और इसे अश्लीलता को बढावा देने और सहमति का उल्लंघन करने वाला बताया है। अग्रवाल और खान को 9 मई को आयोग के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया है।

आंद्रे रसेल ने 22 गेंदों में जड़ा अर्धशतक, आईपीएल में रचा इतिहास

(एजेन्सी)।

आईपीएल 2025 के 53वें मैच में केकेआर के ऑलराउंडर आंद्रे रसेल को ईडन गार्डन में मसल पावर देखने को मिला। रसेल की ये पारी तब टीम के लिए सामने आई जबकि अजिंक्य रहाणे को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। रसेल की इस पारी के दम पर कोलकाता ने राजस्थान के सामने 200 रन का स्कोर खड़ा किया। रसेल ने इस मैच में राजस्थान के खिलाफ पहली 9 गेंदों पर 2 रन बनाए थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने अगले 13 गेंदों पर 49 रन बनाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। रसेल का इस सीजन में ये पहला अर्धशतक था। इस शतकीय पारी के दम पर उन्होंने ईडन गार्डन मैदान पर खास रिकॉर्ड बनाया और गंभीर व उथप्पा की खास लिस्ट में शामिल हो गए।

रसेल ने राजस्थान के खिलाफ 22 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और 6 छक्के साथ ही 4 चौकों की मदद से 25 गेंदों पर नाबाद 57 रन की पारी खेली। रसेल ने अपनी इस पारी के दम पर ईडन गार्डन मैदान पर 1000 रन भी पूरे कर लिए। आईपीएल में रसेल से पहले इस मैदान पर 1000 या उससे ज्यादा रन बनाने का कमाल गौतम गंभीर और रॉबिन उथप्पा ने किया था। रसेल अब ऐसा करने वाले इन दोनों के बाद तीसरे बल्लेबाज बन गए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इस मैच में रसेल की अर्धशतकीय पारी के अलावा टीम के ओपनर गुरबाज ने 35 रन की अहम पारी खेली जबकि कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 30 रन की पारी खेली। इसके अलावा रिंकू सिंह ने भी आखिरी समय पर 6 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 19 रन की पारी खेली।

रियान पराग ने 6 गेंद पर लगाए छह छक्के

(एजेन्सी)। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने केकेआर के खिलाफ गजब कारनामा कर डाला। उन्होंने 6 गेंदों पर लगातार 6 छक्के लगा डाले। हालांकि, ये सभी छक्के एक ही ओवर में नहीं लगे। रियान पराग का रौद्र रूप देखने को मिला मोइन अली और वरुण चक्रवर्ती के खिलाफ। रियान ने पहले मोइन अली के खिलाफ लगातार पांच छक्के लगाए। उसके बाद उन्होंने अगला ओवर फेंकने आए वरुण चक्रवर्ती पर भी एक छक्का लगाकर 6 गेंदों पर 6 छक्के लगा डाले।

मान सरकार नशों के खिलाफ जंग में उतरी, कैबिनेट मंत्रियों ने संभाला मोर्चा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की अगुवाई में सरकार द्वारा नशे के खात्मे के लिए शुरू की गई युद्ध नशों विरुद्ध मुहिम निर्णायक दौर में पहुँच गई है। मान सरकार नशे के खिलाफ जंग में उतर चुकी है और सभी कैबिनेट मंत्रियों ने मोर्चा संभालते हुए पंजाब भर में जिला स्तरीय कार्यक्रमों और गाँव रक्षा कमेटियों के जरिए जागरूकता फैलाई। नशों के विरुद्ध सारा पंजाब एकजुट हो गया है और यह अब एक लोक लहर बन चुकी है।

पंजाब के सभी कैबिनेट मंत्रियों ने राज्य के अलग-अलग स्थानों पर नशे के खिलाफ जागरूकता बैठकों में भाग लेते हुए जोर देकर कहा कि मान सरकार ने जहाँ नशा तस्करों के घर और हौसले तोड़े हैं, वहीं पिछली सरकारों ने नशा तस्करों को पनाह दी थी। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने पटियाला, शासन सुधार मंत्री अमन अरोड़ा और कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुडीया ने बठिंडा, सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने शहीद भगत सिंह नगर, एन.आर.आई. मंत्री कुलदीप सिंह धारीवाल ने पठानकोट, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक और स्थानीय निकाय मंत्री रवजोत सिंह ने पठानकोट, परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर और रक्षा सेवा कल्याण मंत्री मोहिंदर भगत ने गुरदासपुर, बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ और राजस्व एवं पुनर्वास मंत्री हरदीप सिंह मुंड्डियां ने अमृतसर, ग्रामीण विकास और पंचायत मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद और सामाजिक सुरक्षा एवं महिला बाल विकास मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने मालेरकोटला तथा जल संसाधन मंत्री बरिंदर कुमार गोयल ने फाजिल्का में आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। मंत्रियों ने अपने संबोधन में कहा कि युद्ध नशों विरुद्ध बनी इस लोक लहर को सफल बनाकर पंजाब को देश का पहला नशा मुक्त राज्य बनाया जाएगा। सरकार की नशों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति का खुलासा करते हुए उन्होंने कहा कि नशा तस्करी में किसी की भी संलिप्तता सामने आई, तो वह बख्शा नहीं जाएगा, चाहे वह राजनेता हो या अफसरशाही में हो। उन्होंने कहा कि पंजाब में नशे का धंधा करने वालों के लिए कोई जगह नहीं है। पंजाब की धरती जुझारू लोगों की धरती है और पंजाबी इस नशों के खिलाफ शुरू की गई जंग में सरकार का डटकर साथ दे रहे हैं।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्रियों ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा बी.बी.एम.बी. के मुद्दे पर लिए सख़्त स्टैंड की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री को पंजाब की नदियों का असली रखवाला करार दिया।

ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. प्रवीण कुमार बनाये गये जदयू प्रदेश राजनैतिक सलाहकार समिति के सदस्य

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय नगर। जदयू बिहार प्रदेश राजनैतिक सलाहकार समिति का गठन हुआ। जिसकी घोषणा जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा के द्वारा किया गया। बेगूसराय के सुप्रसिद्ध ऑथोर्पेदिक सर्जन सह जदयू के पूर्व प्रदेश सचिव, पूर्व खगड़िया जिला संघठन प्रभारी, डॉ. प्रवीण कुमार को जदयू प्रदेश राजनैतिक सलाहकार समिति का सदस्य मनोनीत किया गया है। चेरिया बरियारपुर विधानसभा क्षेत्र से जदयू कार्यकर्ताओं में अकेले इनका मनोनयन हुआ है।

डॉ. प्रवीण कुमार ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, एवं जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा के प्रति आभार प्रकट किया है। तथा कहा जो जिम्मेदारी प्रदेश संघठन की ओर से दिया गया है, या आगे भी दिया जायेगा, उसका वे पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। चेरिया बरियारपुर विधानसभा सहित पुरे बेगूसराय जिला और प्रदेश जदयू कार्यकर्ताओं और इष्ठजनों के तरफ से शुभकामना और बधाई दी गयी।

नगर पंचायत ने कराया पेयजल की व्यवस्था

संजना भारती संवाददाता

अकबरनगर। चिलचिलाती धूप व उमस भरी गर्मी को देखते हुए नगर पंचायत अकबरनगर की ओर से नप के मुख्य चौराहों पर राहगीरों के लिए शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई है। विगत कुछ दिनों से पड़ रही गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो रहा है। बाजार में पेयजल की परेशानी हो रही है। इसको देखते हुए नप के चौक चौराहा को चिन्हित कर वहां शुद्ध पेयजल की व्यवस्था की गई है। ताकि इस प गर्मी में राहगीरों को प्यास बुझाने में किसी तरह की परेशानियों का सामना ना करना पड़े। इस बाबत अध्यक्ष किरण देवी ने बताया कि आर्थिक रुप से संपन्न लोग बाजार में मिलने वाले बोतल बंद पानी खरीदकर अपना प्यास बुझा लेते हैं लेकिन गरीब, मजदूर वर्ग के लोगों को इस उमस भरी गर्मी में प्यास लगने पर पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है। इन्हीं सब को देखते हुए जगह चिन्हित कर वहां शुद्ध पेयजल की व्यवस्था नगर पंचायत द्वारा की गई है।

पंजाब में स्वास्थ्य क्रांति की नई लहर: गांव-गांव तक पहुँच रही हैं सुपर स्पेशल सुविधाएं!

नशा बेचने वालों पर जारी रहेगी बुलडोजर की कार्रवाई

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/संगरूर (लोगोंवाल)। पंजाब सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को गांव-गांव तक पहुँचाने के अपने संकल्प को और मजबूत करते हुए संगरूर जिले के लोंगोवाल कस्बे में एक बड़ा कदम उठाया है। कैबिनेट मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने आज यहां रु11 करोड़ की लागत से बनने वाले 30-बेड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखी। यह स्वास्थ्य केंद्र इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड्स के अनुरूप होगा और ब्लॉक स्तर पर लगभग 1.92 लाख की आबादी को लाभ पहुंचाएगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखने से पहले अमन अरोड़ा का लोगोंवाल पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इलाके की एक दर्जन से ज्यादा ग्रामीण पंचायतों के सरपंचों-पंचों और नगर कौंसिल के पदाधिकारियों ने अमन अरोड़ा को स्मृति चिन्ह भी अर्पित किए।

स्वास्थ्य केंद्र की आधारशिला रखते हुए कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि हेल्थ सेक्टर में पंजाब आज देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। पंजाब के स्वास्थ्य मॉडल की तारीफ आज केवल भारत में नहीं बल्कि विदेशों में भी हो रही है। आने वाले समय में और भी स्वास्थ्य केंद्रों, मोबाइल हेल्थ यूनिट्स और टेलीमेडिसिन सेवाओं की शुरूआत की जाएगी, ताकि पंजाब के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण इलाज सुलभ हो सके। अमन अरोड़ा ने कहा कि 'सबके लिए समान और बेहतरीन स्वास्थ्य सेवा' के विजन को साकार करने के लिए गांव और कस्बों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जा रहा है। इससे न केवल समय पर इलाज संभव होगा, बल्कि ग्रामीण जनता की आर्थिक और मानसिक परेशानी भी कम होगी।

अमन अरोड़ा ने कहा कि इससे पहले जब वह लोगोंवाल आए थे, तब स्थानीय लोगों ने इसी अस्पताल की दीवार के लिए ग्रांट की मांग की थी। लोगों की मांग पर सरकार ने 38 लाख रुपए रिलीज किए, लेकिन उसी दिन मैंने तय कर लिया था कि लोगोंवाल में अत्याधुनिक सुविधाओं वाला नया अस्पताल बनाना है। अमन अरोड़ा ने कहा कि आज वो संकल्प पूरा होने जा रहा है। अमन अरोड़ा ने कहा कि जल्दी ही लोगोंवाल के अन्दर स्ट्रीट लाइटों का जाल बिछाया जाएगा। प्रोजेक्ट पूरा होने पर रात के समय लोगोंवाल में रोज दिपावली जैसा नजारा होगा।

कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने कहा कि सत्ता में आने के बाद मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में आम जनता के हित में अनेकों ऐतिहासिक फैसले लिए गए। किसानों की सुविधा के लिए हम कृषि सेक्टर के लिए दिन के समय पर्याप्त बिजली सप्लाई दे रहे हैं। पंजाब के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ, जब किसी सरकार ने निजी थर्मल प्लांट को खुद खरीद लिया। पंजाब में लोगों की लूट रोकने के लिए 18 टोल प्लाजे बंद कराए गए, 58 हजार से ज्यादा युवाओं को बिना किसी रिश्वर और सिफारिश के सरकारी नौकरियां प्रदान की गई हैं। अमन अरोड़ा ने कहा कि पंजाब के ऊपर सबसे बड़ा श्राप नशों का रहा है और अब पंजाब सरकार उस अभिषाप को मिटाने में जुटी है। आज पूरे पंजा में नशों के खिलाफ जंग चल रही है, लेकिन सरकार उसमें तब तक कामयाब नहीं हो सकती, जब तक पंजाब का हर परिवार और नागरिक उस जंग में शामिल नहीं होगा। अमन अरोड़ा ने स्पष्ट किया कि जिन लोगों ने नशा बेचकर पंजाब के कई परिवारों को तबाह किया, उन लोगों को मान सरकार किसी कीमत पर माफ नहीं करेगी। पंजाब में आज नशा तस्करों के घरों पर जो बुल्डोजर की कार्रवाई हो रही है, उस कार्रवाई के दौरान कई जगह पर पीड़ित परिवार पुलिस पर फूलों की वर्षा करते हुए नजर आए हैं। इससे साफ है कि नशों के खिलाफ जंग में आज पंजाब भगवंत मान सरकार के साथ खड़ा है।

नशा तस्करों के साथ कोई नरमी नहीं बरती जाएगी: जिला पुलिस प्रमुख

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/बटाला। पंजाब के मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान द्वारा नशों के खिलाफ शुरू की गई मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध के तहत कार्रवाई करते हुए आज बटाला पुलिस ने कादियां में भारी बारिश में नशा तस्कर नवशरण दास उर्फ काका की अवैध रूप से बनाई गयी कोठी को जेसीबी मशीन से गिरा दिया गया।

इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए बटाला के एसएसपी सुहैल कासिम मीर ने बताया कि इस नशा तस्कर के खिलाफ अलग-अलग थानों में 6 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें से 4 मामले एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस तस्कर के खिलाफ पुलिस स्टेशन कादियां में 3, काहनूवान, दीनानगर और एसएएस नगर में एक-एक मामला दर्ज है। उन्होंने कहा कि इस पर लगी धाराओं और इसकी केस हिस्ट्री से स्पष्ट है कि यह व्यक्ति लंबे समय से नशा तस्करी के धंधे में शामिल है।

एसएसपी ने नशा तस्करों को चेतावनी देते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति किसी भी गैर-कानूनी गतिविधि में शामिल है, उसे बख्शा नहीं जाएगा और उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई तब तक जारी रहेगी जब तक नशे का कारोबार करने वाले लोग मुख्यधारा में नहीं आ जाते या पंजाब छोड़कर पंजाब से बाहर नहीं चले जाते। एसएसपी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान और डीजीपी श्री गौरव यादव द्वारा इस संबंधी स्पष्ट हिदायतें दी गई हैं कि जो भी व्यक्ति नशा तस्करी के धंधे में शामिल है, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

एसएसपी बटाला ने आगे कहा कि बटाला पुलिस द्वारा नशों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है और पिछले दो महीनों में बटाला पुलिस ने 250 मामले दर्ज किए हैं। नशा तस्करों की 52 संपत्तियों को कानूनी कार्रवाई करते हुए अटैच किया गया है, जिनकी कीमत लगभग 28 करोड़ रुपये बनती है। उन्होंने बताया कि गाँव और वार्ड स्तर पर सुरक्षा कमेटियों के साथ बैठकें करके उनके सहयोग से नशों पर रोक लगाई जा रही है और 110 गाँवों द्वारा नशा खत्म करने के प्रस्ताव पारित किए गए हैं, जिससे नशे को जड़ से खत्म किया जाएगा।

एसएसपी ने कहा कि हमारे लिए हमारे बच्चे और हमारी युवा पीढ़ी को संभालना बेहद जरूरी है, जो इन तस्करों के घटिया कामों की वजह से नशे की लत में पड़कर अपना जीवन बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम नशा तस्करों के आगे दीवार बनकर खड़े हैं और जो लोग नशा कर रहे हैं, उन्हें इसका रोगी मानकर इलाज करवाया जा रहा है।

इस मौके पर राजेश कक्कड़, डीएसपी कादियां, भूपिंदर सिंह ईओ कादियां, निर्मल सिंह एसएचओ कादियां, एसएचओज और अन्य सीनियर पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे।

विद्यार्थियों का सम्मान सबसे ऊपर, तुरंत कार्रवाई की गई: हरजोत बैंस

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस के निर्देशों पर तरनतारन जिले के सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गोइंदवाल साहिब के इंचार्ज को स्कूल में एक कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों से वेटर का काम करवाने (स्नैक्स परोसवाने) के मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

स्कूलों में सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल बनाए रखने की अहमियत को उजागर करते हुए स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि इस तरह का दुर्व्यवहार पूरी तरह से अनुचित है, जिसके चलते गुरप्रताप सिंह, पंजाबी लेक्चरर-कम-स्कूल इंचार्ज के खिलाफ ड्यूटी के दौरान घोर लापरवाही के लिए तत्काल कार्रवाई की गई है। निलंबन की अवधि के दौरान इस लेक्चरर का हैडक्वार्टर जिला शिक्षा कार्यालय (सीनियर सेकेंडरी), तरनतारन रहेगा।

शिक्षा मंत्री बैंस ने कहा कि विद्यार्थियों की गरिमा के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता और उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि इस तरह के व्यवहार को किसी भी हालात में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स. हरजोत सिंह बैंस ने अन्य अध्यापकों को भी स्कूलों में उच्च मानकों और जिम्मेदारी बनाए रखने के लिये कहा। उन्होंने सरकारी स्कूलों में सम्मान और जवाबदेही की संस्कृति को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।

पंजाब के हितों की रक्षा के लिए हरजोत बैंस द्वारा लगातार चौथे दिन नंगल डैम का दौरा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/नंगल। पंजाब के हितों की रक्षा में अग्रणी भूमिका निभा रहे पंजाब के शिक्षा, सूचना एवं लोक संपर्क मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने आज लगातार चौथे दिन नंगल स्थित भाखड़ा डैम का दौरा किया, ताकि हरियाणा को अतिरिक्त पानी न छोड़ा जाए।

डैम पर निरीक्षण के बाद स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि कृषि पर निर्भर पंजाब की अर्थव्यवस्था के लिए पानी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने दोहराया कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पानी संबंधी लिए गए फैसले पर पूरी तरह अडिग है।

शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है। मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान खुद भी नंगल डैम का दौरा कर चुके हैं और इस मुद्दे के समाधान के लिए कल 5 मई को पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। पंजाब के किसानों के हकों की रक्षा के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र और अन्य राज्य सरकारें पंजाब के हकों पर डाका नहीं डाल सकतीं। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता लगातार नंगल डैम पर पहरा दे रहे हैं ताकि गैरकानूनी तरीके से अन्य राज्यों को उनके हिस्से से ज्यादा पानी न दिया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि धान की बुवाई का सीजन निकट है और राज्य के किसानों को पानी की सख्त जरूरत है, ऐसे में किसी अन्य राज्य को अतिरिक्त पानी नहीं छोड़ा जा सकता।

स. हरजोत सिंह बैंस ने अधिकारियों से नंगल डैम से पानी छोड़ने संबंधी जानकारी ली और राज्यवासियों को भरोसा दिलाया कि उनके हित सुरक्षित हैं।

स. हरजोत सिंह बैंस ने हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के दौरान अतिरिक्त पानी से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि मानसून के दौरान अक्सर स्वां नदी में अचानक बाढ़ आने से पंजाब के गांव प्रभावित होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि पड़ोसी राज्य अतिरिक्त पानी लेने के लिए उस समय हामी क्यों नहीं भरते? अब जब धान के सीजन के कारण हमारे किसानों को पानी की जरूरत है, तो वे पंजाब से उम्मीद करते हैं कि उनको पानी दिया जाये। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार की जनहितकारी नीतियों के चलते इस साल 10 हजार एकड़ अतिरिक्त रकबे में सिंचाई सुविधा का प्रबंध कर सके हैं। भविष्य की योजनाओं में अर्ध-पहाड़ी चंगर क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के लिए पाइपलाइन के जरिए लिफ्ट सिंचाई योजना लाई जाएगी।

बरसात के मौसम के दौरान बाढ़ रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रबंधों का जायजा लेते हुए स. बैंस ने कहा कि राज्य सरकार जल स्त्रोतों की सख्ती से निगरानी कर रही है और कमजोर बांधों को मजबूत किया जा रहा है।

पंजाब के खेतों को सुखाकर किसी और को पानी नहीं दिया जा सकता: बरिंदर कुमार गोयल

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/फाजिल्का। पंजाब के जल स्त्रोत मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब के खेतों को सुखाकर किसी और को पानी नहीं दिया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पंजाब के पानी की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगी और किसी भी कीमत पर पंजाब के पानी की लूट नहीं होने दी जाएगी।

कैबिनेट मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने कहा कि पानी के मुद्दे पर पंजाब का रुख बिल्कुल स्पष्ट और साफ है कि पंजाब अपना हक नहीं छोड़ेगा। हरियाणा अपने हिस्से से पहले ही ज्यादा पानी ले चुका है। पंजाब केंद्र या हरियाणा के दबाव के आगे नहीं झुकेगा।

एक अन्य सवाल के जवाब में कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड द्वारा तय नियमों के अनुसार बुलाई गई बैठक में तो पंजाब भाग लेगा, लेकिन केंद्र की शह पर कायदे-कानून को ताक पर रखकर बुलाई गई किसी भी बैठक में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा पानी के मुद्दे पर 5 मई को पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है, जिसमें पंजाब के हितों की रक्षा के लिए पक्की रणनीति तैयार की जाएगी।

इस दौरान फिरोजपुर फीडर नहर की 647.43 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत होने पर फाजिल्का ज़िले के किसानों ने कैबिनेट मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल का मुंह मीठा करवाया। किसानों ने इसके लिए पंजाब सरकार का विशेष रूप से धन्यवाद किया, जिसके प्रयासों से यह नहर परियोजना स्वीकृत हुई है।

इस मौके पर कैबिनेट मंत्री ने कहा कि फिरोजपुर फीडर की क्षमता वृद्धि और नई बनने के बाद फाजिल्का, फिरोजपुर, श्री मुक्तसर साहिब और फरीदकोट के किसानों को जहां पूरा नहर का पानी मिलेगा, वहीं फाजिल्का ज़िले के सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तान के कसूर नाले से आने वाले काले पानी से भी मुक्ति मिलेगी।

कैबिनेट मंत्री के साथ फाजिल्का के विधायक नरिंदर पाल सिंह सवना, बल्लुआना के विधायक अमनदीप सिंह गोल्डी मुसाफिर, जलालाबाद के विधायक जगदीप कंबोज गोल्डी और पूर्व विधायक अरुण नारंग भी मौजूद थे।

गुरुसिखी के प्रचार में तेजी लाने के लिए पंथ से निष्कासन के आदेश रद्द करने की मांग

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। ग्लोबल सिख काउंसिल ने श्री अकाल तख्त साहिब, श्री अमृतसर साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज्ज की उस अपील का समर्थन किया है जिसमें भाई रणजीत सिंह ढडरियांवाला सहित सभी सिख प्रचारकों को श्री अकाल तख्त साहिब की छत्रछाया के नीचे एकत्र होकर देश भर में सिख धर्म प्रचार के मिशन को पुनर्जीवित करने और खालसा पंथ के भीतर आध्यात्मिकता को प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया गया है।

यहां एक बयान में काउंसिल की प्रधान लेडी सिंह कंवलजीत कौर, धार्मिक मामलों की कमेटी के चेयरमैन डॉ. करमिंदर सिंह, कानूनी मामलों की कमेटी के चेयरमैन जगीर सिंह और काउंसिल के सचिव हरजीत सिंह ने जत्थेदार के इस प्रयास को "समय की आवश्यकता और समय पर निभाई गई धार्मिक पहल" करार दिया है ताकि पंजाब और अन्य राज्यों में सिख धर्म को बनाए रखने के प्रति घटती प्रवृत्ति को रोका जा सके।

ग्लोबल सिख काउंसिल ने जत्थेदार से अनुरोध किया है कि वे उन सभी प्रभावशाली और प्रतिबद्ध प्रचारकों को भी इसी तरह पंथिक सेवा का आह्वान करें जो पहले अकाल तख्त साहिब द्वारा पंथ से निष्कासित किए जाने जैसे फैसलों के कारण सेवा से दूर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि यह समय भेदभाव, अलगाव या विभाजन पैदा करने का नहीं है बल्कि समझदारी से कौम की एकजुटता और गुरमति आधारित पंथिक एकता कराने का समय है। उन्होंने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब, खालसा पंथ की सांसारिक, धार्मिक और आध्यात्मिक सर्वोच्चता का केंद्र होने के नाते गुरमति के सिद्धांतों के अनुसार माफ करने, गले लगाने और कौम की उन्नति के लिए प्रयत्नशील हो।

कौंसिल ने तर्क दिया है कि गुरमति और गुरुवाणी प्रचार में गंभीर गिरावट के कारण युवाओं में धार्मिक रुचि घट रही है और सिखों में धर्मांतरण बढ़ रहा है। पंथ से निष्कासन जैसी परंपरा ईसाई परंपरा में प्रचलित धारणा से अपनाई गई है और इसका प्राचीन सिख मयार्दा से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए गुरुसिखी में 'सर्बत दा भला' (सबका भला) ही हर कार्य के लिए प्रेरणा स्त्रोत होना चाहिए।

प्रधान कंवलजीत कौर ने जोर देकर कहा कि काउंसिल के 30 से अधिक देशों में सदस्य संगठन हैं जो श्री अकाल तख्त साहिब को हर तरह का सहयोग देने के लिए तैयार हैं और गुरु साहिबान के मानवतावादी गुरु संदेश के प्रचार के लिए प्रचारकों को आध्यात्मिक और बौद्धिक प्रशिक्षण देकर सेवा के कार्य में भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस समय खालसा पंथ को एकसुर और एकजुट होकर काम करना चाहिए। यह समय विभाजन पैदा करने का नहीं, बल्कि साझा सोच के माध्यम से गुरमति प्रचार की नई लहर पैदा करने का है।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, '**संजना भारती**' को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

अवैध खनन पर विशेष चौकसी बरतते हुए सख्त कार्रवाई करें: डॉ. सौम्या झा

संजना भारती संवाददाता

टोंक। जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने अवैध खनन, भंडारण व परिवहन की रोकथाम के लिए शुक्रवार को कलेक्ट्रेट कक्ष में राजस्व, पुलिस, खनिज, वन एवं परिवहन विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने खनिज विभाग के सहायक अभियंता सोहनलाल सुथार को निर्देश दिए कि वे राजस्व, पुलिस, परिवहन और वन विभाग के सहयोग से अधिकाधिक अवैध खनन कताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करें। उपखंड अधिकारी उनियारा को दूरभाष पर बनेठा क्षेत्र में अवैध बजरी खनन एवं पत्थरों के परिवहन को रोकने के लिए बनाए गए नाकों पर विशेष चौकसी बरतने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने जिला वन अधिकारी मरिय शाइन ए को वन क्षेत्र में गश्त बढ़ाने पर जोर दिया।

जिला कलेक्टर ने सहायक खनिज अभियंता को धारा 177 के तहत दर्ज प्रकरणों की समस्त डिटेल आगामी सात दिवस में देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही, कहा कि माइनिंग एरिया में लीज धारकों द्वारा कराया जाने वाले 30 प्रतिशत वृक्षारोपण कार्य की सुनिश्चिता की जाएं। इसका प्लान बनाकर प्रस्तुत करें। जिला कलेक्टर ने जिला परिवहन अधिकारी संपत राम वर्मा को निर्देश दिए कि ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि अवैध खनन के उपयोग में ली जा रही मशीनों को सीज किया जाए। बैठक में एडीएम रामरतन सौंकरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गीता चौधरी, उपखंड अधिकारी हुक्मीचंद रोहलानिया मौजूद रहे।

नशे का प्रभाव परिवार और समाज पर पड़ता है, इससे दूर रहें: योगेंद्र राणा

नशे के खिलाफ जागरूकता गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते विधायक योगेंद्र राणा। (छाया: एसबी)

■ विधायक ने नशे के खिलाफ जागरूकता गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

■ कार्यक्रम में मंच का संचालन बीके सरिता ने किया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। किसी एक व्यक्ति की नशे की लत से परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है इसलिए किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना ही इसका सर्वोत्तम इलाज है। नशा व्यक्ति और परिवार के साथ-साथ समाज के लिए हानिकारक है। उपरोक्त विचार विधायक योगेंद्र राणा ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय असन्ध द्वारा आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए कहे।

विधायक ने नशा मुक्ति अभियान में शामिल जागरुकता गाड़ी को झंडी दिखाकर रवाना किया। मंच का संचालन बीके सरिता ने किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सोनालेक पेन्ट के एमडी राधेश्याम गर्ग, नगरपालिका वाईस चेयरमैन राजेंद्र ढींगड़ा, व्यापार मंडल प्रधान सुशील गर्ग व जेसी महाविद्यालय प्रबंधक रमेश बतरा ने शिरकत की। विधायक योगेंद्र राणा का बीके उषा दीदी व बीके सरिता ने स्वागत किया।

विधायक ने कहा कि नशा हमारे विकास में बाधक है और नशा व्यक्ति की सेहत और परिवार पर बुरा प्रभाव डालता है।

नशामुक्त समाज स्वस्थ और सकारात्मक होता है, समाज में नशा मुक्ति के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि नशे की वजह से युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सभी को नशा मुक्त समाज की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। बीके उषा दीदी ने कहा कि नशा मुक्ति से ही एक स्वस्थ व्यक्ति एक निरोग व मजबूत समाज की स्थापना करने में सहयोगी हो सकता है। बीके सरिता ने कहा कि किसी भी तरह का नशा गलत संगत के कारण पनपता है इसके खात्मे के लिए साकारात्मक ज्ञान की आवश्यकता है जो राजयोग मेडिटेशन से सम्भव है। उन्होंने कहा कि राजयोग मेडिटेशन के द्वारा अपने मन, बुद्धि की शक्तियों को बढ़ा कर नशे से मुक्त हो सकतें हैं।

इस अवसर पर जयकुंवार राहडा, नफे सिंह मान, सोनी गर्ग, डॉ. देवराज सिंगला, पार्षद राजेंद्र भट्ट, रामरतन शर्मा, बीके रुहानी,भानू, अमनदीप, तेजस, पूनम सहित अन्य मौजूद रहे।

यातायात नियमों का पालन करें सभी जिलावासी : डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, ताकि सड़क पर कोई भी दुर्घटना नहीं हो। इसके साथ ही सड़क सुरक्षा समिति से संबंधित अधिकारी सड़क सुरक्षा नियमों की पालना करवाने के साथ-साथ मुख्य सुविधाएं प्रदान करना भी सुनिश्चित करें।

डीसी प्रीति ने कहा कि स्कूलों, कालेजों के साथ-साथ आम लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्हें बताया जाए कि यदि हम नियमों का सही पालन नहीं करेंगे तो उनकी स्वयं की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है, वहीं समाज के अन्य लोगों को भी काफी प्रभावित करती है। हमें ट्रैफिक सिग्नल का पालन करना चाहिए, ओवर स्पीड में वाहन नहीं चलाएं, जेब्रा क्रासिंग का सही उपयोग करें, दो पहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग जरूर करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें, सीट बेल्ट लगाए, सड़क पर लगे संकेतों का पालन करें, धीमी गति के संकेत को गंभीरता से लें। यातायात पुलिस लोगों को जागरूक करने के साथ-साथ सख्त कार्रवाई भी अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करना न केवल हमारी जिम्मेदारी है, बल्कि यह हमारी और हमारे समाज की सुरक्षा के लिए बहुत आवश्यक है।

डीसी कैथल प्रीति।

डीसी ने कहा कि अभिभावक भी यह सुनिश्चित करें कि उनके नाबालिग बच्चे वाहन न चलाएं। ताकि दुर्घटनाओं से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग भी अपनी जिम्मेदारी पूरी गंभीरता से निभाएं।

केंद्र और प्रदेश सरकार व समाज विनय नरवाल के परिवार के साथ: हरविन्द्र कल्याण

■ लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की हत्या से जो क्षति हुई है वह अपूर्णीय है लेकिन केंद्र और प्रदेश सरकार व समाज हमेशा उनके परिवार के साथ है। विनय में देश के लिए कुछ करने का जज्बा था।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण आज यहां डा. मंगलसेन ऑडिटोरियम में आयोजित विनय नरवाल की श्रद्धांजलि सभा में बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने विनय नरवाल के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि आज यह दुख का ऐसा पल है जब सभी वीर सपूत विनय नरवाल को श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए हैं। यह ऐसा भावुक क्षण है जब पूरे देश की आंखें नम हैं। ऐसी घटना जिसने पूरे समाज, मानवता और राष्ट्र को हिलाकर रख दिया।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि वीर सपूत विनय के जीवन की शुरूआत हो रही थी, उन्हें बहुत आगे जाना था। विनय में देश के लिए कुछ करने का जज्बा था लेकिन इस घटना में विनय सहित देश के कई लोग आतंकवाद की बली चढ़ गए। उन्होंने कहा कि विनय बेहद साहसी था। यदि उस समय विनय के हाथों में कुछ होता तो वे निश्चित रूप से ऐसा मुंह तोड़ जवाब देते जिससे पता चलता कि वीरता क्या होती है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में विनय की पत्नी हिमांशी ने भी बहुत बहादुरी दिखाई है। आज पूरा समाज व सरकार इस परिवार के साथ है।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि विनय की बहन ने भी आज भावुकता के साथ मन के उद्गार व्यक्त किए। हकीकत में हर व्यक्ति खुद को उस स्थान पर रखता है तो हिल जाता है। परिवार के सदस्य पूरे साहस के साथ एक-दूसरे को संभाल रहे हैं। सभी भविष्य में भी इसी प्रकार इस परिवार के साथ रहेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी घटना के प्रति बहुत गंभीर है। उन्होंने जिस प्रकार सेना को कार्रवाई के लिए खुली छूट दी है, निश्चित रूप से घटना को अंजाम देने वालों के साथ ऐसा होगा जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। क्षेत्र का जनप्रतिनिधि होने के नाते और खुद को नरवाल परिवार का सदस्य मानते हुये उन्होंने परिवार को संबल देने के लिये आए हुए सभी का आभार जताया।

इस मौके पर करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, डीसी उत्तम सिंह, एसपी गंगाराम पूनिया, गजेंद्र फोगाट, एसडीएम अनुभव मेहता, नौसेना मुख्यालय की ओर से कैप्टन अमित पुरी, कैप्टन शोभित अग्रवाल, लेफ्टिनेंट प्रिया, नौसेना अधिकारी, विनय के पिता राजेश नरवाल, माता आशा देवी, दादा हवा सिंह, विनय की पत्नी हिमांशी, विनय की बहन सृष्टि, हिमांशी के पिता सुनील स्वामी, पूनम, महेश यादव व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

हर घर में पैदा हो लेफ्टिनेंट विनय नरवाल जैसी साहसी संतान : सुमन सैनी

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी एवं हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी रविवार को लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की श्रद्धांजलि सभा में पहुंचीं। उन्होंने विनय की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उन्हें याद किया।

इस मौके पर उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने कहा कि विनय के माता-पिता को सैल्यूट है, जिन्होंने वीर सुपुत्र को जन्म दिया। विनय की धर्मपत्नी हिमांशी को भी सलाम है, जो घटना के वक्त विनय के साथ थी और इतनी देर वहां बैठी रही। उन्होंने कहा कि यह सभी के लिए भावुक पल हैं। हर घर में विनय नरवाल जैसी साहसी संतान पैदा हो। उन्होंने कहा कि इस दुखः की घड़ी में पूरा हरियाणा विनय नरवाल के परिवार के साथ खड़ा है। उनकी प्रार्थना है कि प्रभु विनय नरवाल को अपने चरणों में स्थान दें।

इस मौके पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष श्री हरविंद्र कल्याण, करनाल के विधायक जगमोहन आनंद, असंध के विधायक योगेंद्र राणा, डीसी उत्तम सिंह, एसपी गंगाराम पूनिया, गजेंद्र फोगाट, एसडीएम अनुभव मेहता, नौसेना मुख्यालय की ओर से कैप्टन अमित पुरी, कैप्टन शोभित अग्रवाल, लेफ्टिनेंट प्रिया, नौसेना अधिकारी, विनय के पिता राजेश नरवाल, माता आशा देवी, दादा हवा सिंह, विनय की पत्नी हिमांशी, विनय की बहन सृष्टि, हिमांशी के पिता सुनील स्वामी, पूनम, महेश यादव व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने जिला भाजपा संगठन कार्यक्रमों को लेकर भाजपा जिलाध्यक्ष को किया सम्मानित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

रेवाड़ी। विगत 27 अप्रैल, रविवार को प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम पूरे प्रदेश में जिला रेवाड़ी के प्रत्येक बूथ पर देखा एवं सुना गया। कल पंचकुला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली व संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा ने भाजपा जिलाध्यक्ष वंदना पोपली को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर आयोजित एक बैठक में प्रदेश के पदाधिकारियो एवं प्रदेश के जिलो के अध्यक्ष तथा पूर्व अध्यक्षों के समक्ष सम्मानित किया।

प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कहा कि जिला रेवाड़ी के 792 बूथ हैं और उन पर शत प्रतिशत हाजिरी होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित में सरकार अपने स्तर पर बेहतर कार्य कर रही है। सरकार कि नीतियों एवं लाभकारी योजनाओं को प्रत्येक जन तक पहुंचने का काम बूथ स्तर के कार्यकर्ताओ का होता है। सभी 792 बूथो पर मन को बात का सफल आयोजन होना ये जिला अध्यक्ष के कुशल नेतृत्व को दशार्ता है। 100 प्रतिशत बूथ स्तर पर कार्यक्रम का होना यह भी बताता है कि जिला रेवाड़ी का बूथ का कार्यकर्ता कितना मजबूत है।

भाजपा जिला अध्यक्ष डाक्टर वंदना पोपली ने जिले के इस सम्मान को बूथ स्तर के कार्यकर्ताओ का सम्मान बताते हुए कहा कि यह सब संभव कार्यकर्ताओ के सहयोग से हुआ। भाजपा संगठन विश्व का सबसे बड़ा और सबसे मजबूत संगठन है। जिला रेवाड़ी के बूथ के कार्यकर्ताओ ने अपनी मजबूती प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात को सफल बना कर एक बार फिर दिखा दी। जिला अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओ से आग्रह किया हम सभी को और अधिक मजबूती से कार्य करना है।

वंदना पोपली ने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने जिस सोच और जिस विश्वास से मुझे जिले की कमान दी है, संगठन को मजबूत करने का जो लक्ष्य प्रदेश ने दिया है, उस लक्ष्य को हर हाल में जी जान से अपने कार्यकर्ताओ के साथ हासिल करेंगे। इसकी शुरूआत विधानसभा चुनाव में जिले की तीनो विधानसभा में भाजपा की पताका लहरा के कर दी गई है।

जिला अध्यक्ष ने इसके लिए सभी कार्यकर्ताओ के साथ-साथ मन की बात के सयोंजक तथा जिले की एवं मंडल की आईटी टीम को भी बधाई दी।

हरियाणा में बढ़ते जल संकट को लेकर हस्तक्षेप करे केंद्र सरकार : कुमारी सैलजा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्र सरकार से हरियाणा में बढ़ते जल संकट को लेकर हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। साथ ही भाखड़ा बांध से हरियाणा को मिलने वाले जल में हो रही कटौती पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सांसद ने सुझाव दिया है कि हरियाणा को मिलने वाले जल हिस्से में न्यूनतम 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाए, ताकि राज्य की बढ़ती जनसंख्या, सिंचाई योग्य भूमि और औद्योगिक आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके।

सांसद कुमारी सैलजा ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल को पत्र लिखकर प्रदेश में बढ़ रहे जल संकट को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि पानी देने में पंजाब मनमानी कर रहा है जबकि हरियाणा में जल संकट काफी गंभीर बना हुआ है। इस जल संकट को लेकर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग करते हुए कुमारी सैलजा ने कहा है कि जल समझौते के अनुसार भाखड़ा बांध से हरियाणा को पानी दिलाया जाए। कुमारी सैलजा ने पत्र में लिखा है कि भाखड़ा बांध के तहत हरियाणा को 9500 क्यूसेक जल मिलने का अधिकार है, लेकिन पंजाब सरकार की ओर से निरंतर इसमें कटौती की जा रही है, जिससे सिरसा सहित प्रदेश के विभिन्न कृषि क्षेत्रों में सिंचाई और पेयजल की स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई है। सांसद सैलजा ने इस बात पर बल दिया कि हरियाणा देश के अन्न उत्पादन और औद्योगिक विकास में अहम भूमिका निभाता है, और ऐसे में जल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित करना अति आवश्यक है। सांसद कुमारी सैलजा ने यह भी मांग की कि भाखड़ा नांगल बांध में गाद की सफाई की परियोजना को शीघ्र प्रारंभ किया जाए ताकि इसकी भंडारण क्षमता में वृद्धि हो सके।

कृषि क्षेत्र को नई दिशा देने का प्रयास है नवीन अवसर किसान मेला: नवीन जिन्दल

■ सांसद नवीन जिन्दल ने इरमा आईसीड और नवीन जिन्दल फाउंडेशन के सौजन्य से आयोजित हो रहे किसान मेले का पोस्टर लॉन्च किया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से 9 से 11 मई तक आयोजित होने वाले किसान मेले का पोस्टर सांसद नवीन जिन्दल ने लांच किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी, पुंडरी से विधायक सतपाल जांबा, जिला उपायुक्त प्रीति सिंह और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

किसान मेला के पोस्टर विमोचन के अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि यह किसान मेला न केवल किसानों के लिए एक ज्ञानवर्धक मंच बनेगा, बल्कि कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचारों को समझने और अपनाने का अवसर भी प्रदान करेगा। उन्होंने सभी क्षेत्रवासियों, विशेषकर किसानों से अपील की कि वे इस मेले में बढ़-चढ़कर भाग लें और इसका भरपूर लाभ उठाएं।

सांसद नवीन जिन्दल ने कहा, कि इस मेले में आधुनिक कृषि उपकरण, जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, सिंचाई की उन्नत विधियाँ और फसल की गुणवत्ता बढ़ाने वाले तरीकों को प्रदर्शित किया जाएगा ताकि किसान वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अपनी आय को तीन गुना से भी ज्यादा बढ़ा सकें। हमारा लक्ष्य है कि ऐसे उत्पाद तैयार किए जाएँ जो स्वास्थ्य के लिए सुरक्षित और पोषक हों।

सांसद नवीन जिन्दल के मीडिया सलाहकार डॉ. राज कुमार ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल किसानों की भलाई के लिए लगातार प्रयासरत हैं और इस किसान मेले की रूपरेखा भी उन्होंने स्वयं तैयार करवाई है। नवीन अवसर कुशल समृद्ध एवं नया भारत थीम से आयोजित इस किसान मेले में किसानों को मौजूदा नई-नई तकनीकों के बारे में विस्तृत रूप से बताया जाएगा साथ ही उनको ऋण सुविधा और सरकार की लाभकारी नीतियों से भी अवगत कराया जाएगा। मेले में विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी, कृषि वैज्ञानिकों के व्याख्यान और किसानों के साथ संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे।

नवीन अवसर के तहत यह किसान मेला कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के कैंपस में 9 से 11 मई को सांसद नवीन जिन्दल की पहल पर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह किसान मेला नवीन जिन्दल फाउंडेशन और इरमा आईसीड का प्रयास एक ऐतिहासिक पहल बनकर उभरेगा और कृषि क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा।

जे.सी महाविद्यालय में इमोशनल इंटेलिजेंस पर व्याख्यान कार्यक्रम का किया आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जीवन चानन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय असंध में इंग्लिश विभाग की ओर से एक विस्तार व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य रेखा शर्मा की देखरेख में किया गया।इस विस्तार व्याख्यान की मुख्य प्रवक्ता डॉ कविता मेहता सहायक प्रोफेसर, आर्य कन्या महाविद्यालय शाहाबाद से रही। अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉक्टर नीतू सेठी, रजनी बजाज व सोनिया दुहन ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्य प्रवक्ता का स्वागत किया। यह व्याख्यान भावनात्मक बुद्धिमता (इमोशनल इंटेलिजेंस) और भावना प्रबंधन के बारे में रहा।

मुख्य प्रवक्ता ने छात्राओं को भावनात्मक रिश्ते किस प्रकार से बनाए जा सकते हैं पर अपने विचार दिए। उन्होंने कहा कि हमारी भावनात्मक बुद्धिमत्ता हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। क्योंकि यह हमें भावनाओं को समझने और प्रबंध करने में हमारी मदद करती है साथ ही दूसरों के साथ मजबूत संबंध बनाने व तनाव को दूर करने में भी मददगार होती है। उन्होंने कहा कि इसमें सबसे पहले हमें अपनी भावनाओं और विचारों को समझना चाहिए। आत्म जागरूकता, आत्म नियमन, सहानुभूति ये सभी भावनात्मक बुद्धिमत्ता के महत्वपूर्ण पहलू है। अपनी भावनाओं के प्रबंधन के लिए ध्यान, व्यायाम और सकारात्मक सोच का होना जरूरी है। अपने रिश्तों को मजबूती प्रदान करने के लिए एक मजबूत संचार का होना बहुत जरूरी है। सहानुभूति, विश्वास यानी कि एक दूसरे के साथ विश्वास की भावना होनी चाहिए। तनाव को दूर करने के लिए भी अपनी सकारात्मक सोच व समय प्रबंधन का होना बहुत जरूरी है नकारात्मक भावनाओं को दूर करने के लिए आत्म जागरूकता को होना नितांत आवश्यक है। नकारात्मक भावनाओं को समझने व जानने का प्रयास करें। सकारात्मक विचारों पर ध्यान दें। मुख्य प्रवक्ता डॉ कविता मेहता ने कहा कि भावनात्मक रिश्ता दो लोगों के बीच में एक मजबूती प्रदान करने वाला रिश्ता माना जाता है। जिसमें हम दो एक दूसरे को अच्छे प्रकार से समझते हैं।

इस अवसर पर डॉ. हेमलता शर्मा, केडी शर्मा, डॉ. सिमरत पाल, डॉ. रेखा बंसल, निधि, मनीषा फोगाट, सुषमा शर्मा, सपना आदि उपस्थित रहे।

उपभोक्ता कष्ट निवारण फोरम की बैठक में निपटाए बिजली संबधी शिकायतें : अधीक्षक अभियंता सोमबीर भालोठिया

एसबी संवाददाता

कैथल। उतर हरियाणा बिजली वितरण निगम कैथल के अधीक्षक अभियंता सोमबीर भालोठिया ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटान के लिए, उपभोक्ता शिकायत निवारण बिजली अदालत कैथल की एक बैठक का आयोजन उनके कार्यालय के सभागार में प्रत्येक मंगलवार को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे किया जाएगा। मई माह में निर्धारित तिथि 6, 13, 20 तथा 27 मई दिन मंगलवार को आयोजित होगी। इस बैठक में बिजली संबंधी समस्याओं जैसे अनुचित बिल, दोषपूर्ण मीटर, दोषपूर्ण रीडिंग, जिनका स्थानीय अधिकारियों (उपमण्डल अधिकारी व कार्यकारी अधिकारी) से मिलने उपरांत भी कोई समाधान नहीं हो पा रहा है, ऐसे सभी उपभोक्ता अपनी समस्याओं को इस बिजली अदालत के समक्ष रख सकते हैं।

सीएमओ डॉ संदीप ने दवा विक्रेताओं को अपनी दुकान पर प्रतिबंधित दवाएं न बेचने के बारे में दी हिदायत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। राजौंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कैथल डॉ रेणु चावला के निर्देशन में महत्वपूर्ण मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग की अध्यक्षता वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप ने की। मीटिंग में राजौंद क्षेत्र के सभी दवा विक्रेताओं को बुलाया गया।

डॉ संदीप ने बताया कि सरकार व उच्चाधिकारियों के आदेशानुसार कोई भी दवा विक्रेता अपनी दुकान पर ऐसी कोई भी दवाई न रखें जिससे गर्भपात हो सके। क्योंकि राज्य में हर वर्ष लिंगानुपात गिर रहा है। जिससे बेटियों की संख्या में कमी हो रही है, इसलिए सरकार द्वारा गर्भपात दवाओं पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। अगर कोई गर्भपात से संबंधित दवाई, दवा विक्रेता ऐसी दवाई बेचता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी। इस मीटिंग में भाग लेने वाले सभी दवा विक्रेताओं ने आश्वासन दिया कि हम ऐसी कोई भी प्रतिबंधित दवा नहीं बेचेंगे जिससे गर्भपात हो सके। अगर फिर भी कोई दवा विक्रेता ऐसी दवाई बेचेगा तो उसकी सूचना तुरंत स्वास्थ्य विभाग को देंगे।

मीटिंग में डाक्टर संदीप ने सभी दवा विक्रेताओं को प्रतिबंधित दवाई न बेचने बारें शपथ दिलाई। मीटिंग में मोहन शर्मा, हितेष गुंबर, दिनेश, उमेश कुमार, राहुल, कुलदीप, विजय सहित अन्य दवा विक्रेता मौजूद रहे।